डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 दिसंबर 2024 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

उस्ताद ने कहा- अलविदा

जब 9 मार्च 1951 को उस्ताद अल्ला रक्खा कुरैशी अब्बा बने थे और तमाम रस्मो-रिवाज के बाद अगले दिन जब बच्चे को अब्बा की गोद में दिया गया तो रिवाज के मुताबिक अब्बा को बच्चे के कान में कुछ आशीर्वाद वाले शब्द कहने थे। मगर उस्ताद साहब ने बच्चे के कान में कहा- धागे धिना गिना. तिरकि धाति नता ताके गिना, ताति धिना धागे धाति तिरकिट नधा धागे। दरअसल, धाति तबले के शास्त्र में ताल का कायदा कहलाता है। यह तीन ताल का एक कायदा है, जिसके धुन की बोल वादक तबला बजाते हुए बोलते हैं। उस्ताद अल्लारक्खा अपने जमाने के मशहूर तबला वादक थे, उन्होंने कहा यही एक बंदगी मैं जानता हूं और यही मेरा आशीर्वाद भी है। कालांतर में उस्ताद अल्लारक्खा का यही बेटा जाकिर हुसैन नाम से पहचाना गया। आज तड़के 73 साल की उम्र में 'उस्ताद जाकिर' का अमेरिका में निधन हो गया,वे गंभीर रूप से बीमार थे। इस खबर से संगीतजगत,कलाजगत के लोग गमज़दा हैं।

उल्लेखनीय है कि 90 के दशक की पैदाइश वाले लोगों के जेहन में दूरदर्शन की जो यादें जिंदा है, उनमें दो बातें खास हैं, पहला तो वह लोकप्रिय गाना- 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' और दूसरा वह विज्ञापन जो उस्ताद की वजह से बहुत मशहूर रहा ,इसमें यमुना नदी का किनारा, ताजमहल का बैकग्राउंड और 'मुहब्बत की निशानी' के सामने बैठा एक नौजवान तबले पर अंगुली थिरकाता था,उसके घुंघराले बाल बाल भी उसी गति से हवा से बातें करते थे। ये विज्ञापन भले ही चाय का रहा हो, लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन साहब इसके जरिए हर घर में मशहूर हो गए। मगर लेखिका नसरीन मुन्नी कबीर की किताब 'जाकिर हुसैन- एक संगीतमय जीवन' में उस्ताद साहब ने अपनी जिंदगी जुड़ी यह बात साझा की थी कि- मेरे पैदाइश के वक्त से ही मेरे वालिद दिल की बीमारी से परेशान थे और उनकी तबीयत खराब रहती थी। इसी दौरान हमारे घर का थोड़ा बुरा वक्त भी शुरू हो गया। अम्मा का कान में किसी ने बात डाल दी कि ये बच्चा बेहद मनहूस है। फिर अम्मा ने मुझे दूध नहीं पिलाया। एक करीबी ने मुझे पाला, वो मेरे लिए सरोगेट मदर जैसी रहीं।

ज्ञानी ने बदली दुनिया

किताब में दर्ज है कि उनकी जिंदगी ऐसी ही गुजरती, अगर एक रोज अचानक ही वो ज्ञानी बाबा घर न आए होते। जाकिर हुसैन बताते हैं कि ज्ञानी बाबा अचानक ही आए और अम्मा से कहने लगे कि इस बच्चे के लिए चार साल दुश्वारियों से भरे हैं। यही तुम्हारे शौहर को बचाएगा इसका नाम जाकिर हुसैन रखना। बाबा की बात में न जाने क्या जादू था कि अम्मा ने मेरी देखभाल करनी शुरू कर दी, लेकिन मैं हमेशा बीमार पड़ जाता था। मगर मैं जितना बीमार होता गया, अब्बा की हालत में सुधार होता गया। फिर चार साल बाद जैसा कि ज्ञानी बाबा ने कहा था, मैं और मेरे अब्बा दोनों ही ठीक हो गए।

अदभुत प्रयोगों ने बना दिया असल उस्ताद

इसके बाद उस्ताद साहब जब तबले की दुनिया में रम गए तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा, बल्कि उनकी खास बात ये है कि उन्हें तबले को उसके पारंपरिक शास्त्र से निकालकर उसे ग्लोबली मशहूर किया। भारतीय तबला और अमेरिकी जैज को साथ लेकर उन्होंने जो प्रयोग किया, संगीत और ताल शास्त्र की दुनिया में इसे अद्वितीय माना जाता है।

अब पुरानी कारें भी होंगी महंगी जीएसटी की दरें बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

पुराने और यूज्ड वाहनों का बढ़ता मार्केट सरकार की नजर में है। तमाम कंपनियां अपने पुराने वाहनों को कम दाम पर सेल कर रही है, इससे कई घरों में अपनी कार का सपना भी पूरा हो रहा है। लेकिन इन ओल्ड व्हीकल्स के खरीदारों को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि जीएसटी काउंसिल अब ईवी समेत पुराने और इस्तेमाल किए गए वाहनों पर जीएसटी को बढ़ाकर 18 फीसदी कर सकती है, जो फिलहाल 12 फीसदी लगता है। अगर ऐसा होता है, तो फिर पुराने और यूज्ड वाहन महंगे होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी काउंसिल की फिटमेंट कमेटि ने ओल्ड और यूज्ड वाहनों पर माल और सेवा कर दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी करने की सिफारिश की है, जो पुराने और इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी लागू हो सकता है। वर्तमान में, इन वाहनों पर सप्लायर के मार्जिन के आधार पर टैक्स लागू किया जाता है, जिससे टैक्स का बोझ अपेक्षाकृत कम हो जाता है। यहां खास बात ये है कि नए ईवी व्हीकल पर अभी 5 फीसदी जीएसटी

लगता है, ताकि इस सेक्टर में ग्रोथ लाई जा सके, लेकिन रि-सेल पर 18त्न जीएसटी किया जाता है, तो सेकेंड-हैंड ईवी ग्राहकों के बीच कम आकर्षक हो सकती है।

भीषण सड़क दुर्घटना में 6 की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटना देर रात डौंडी क्षेत्र के करीब की है। इसमें जायलो कार में 13 लोग सवार होकर जा रहे थे, इसी दौरान ओवरटेक कर रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही जान चली गई, जिनमें एक बच्चा, 4 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल है।

योगी के मंत्री ने कहा- मेरी सीबीआई जांच कराएं सीएम

लखनऊ, एजेंसी

उप्र की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल के सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट से यूपी की सियासत में हलचल मच गई है। उनके विभाग में घूसखोरी को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उनसे भड़के पटेल ने कहा कि यह उनकी राजनीतिक हत्या करने की साजिश है। अपना दल से जुडे पटेल ने कहा कि पीएम मोदी जिस दिन आदेश करेंगे, वो एक सेकंड में इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने देर रात एक्स पर पर लिखा, ÷मीडिया और सोशल मीडिया पर मेरी राजनीतिक हत्या करने के लिए साजिश के तहत तथ्यहीन और अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं। पटेल ने कहा कि सांच को कोई आंच नहीं होती. उन्होंने लिखा मुख्यमंत्री अगर आवश्यक समझें तो आरोपों की सीबीआई से जांच करा लें। बतौर मंत्री अब तक मेरे द्वारा लिए गए एक-एक निर्णय की भी सीबीआई से जांच करायें।

विस में दो नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ, कार्यवाही कल तक स्थगित

मुद्दों लेकर सड़कों पर उतरी कांग्रेस शीतसत्र में घुली सरगर्मी

भोपाल, एजेंसी

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज सरगर्मियों के बीच शुरू हुआ है। वहीं कांग्रेस आज भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, बच्चियों के उत्पीड़न, किसानों की समस्या, बेरोजगारी के आरोप लेकर विधानसभा का घेराव करने सड़क पर उतरी है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में इस आंदोलन में प्रदेशभर से कार्यकर्ता भाग लेने पहुंचे हैं और सड़कों पर गहमागहमी है। पीसीसी के पास से कांग्रेस विधायक ट्रैक्टर पर सवार होकर रैली के रूप में आगे बढे तो उन्हें पुलिस ने रोक दिया। सिंघार की पुलिसकर्मियों से बहस भी हुई। विधानसभा में सिंघार ने कहा कि सरकार खाद संकट पर चर्चा ही नहीं करना चाहती।इसके बाद कांग्रेस ने सदन से वाकआउट भी किया। इसके बाद जवाहर चौक पर एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ता व पटवारी,सिंघार,अरूण यादव समेत तमाम नेता इसके बाद हाथ में खाद की बोरियां लेकर विधानसभा की तरफ बढ़े। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बैरिकेडिंग के साथ सुरक्षा के तगड़े प्रबंध किए गए। पटवारी ने कहा कि प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आंदोलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। भाजपा सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में प्रदेशवासियों को केवल

धोखा मिला है। न तो लाड़ली बहनों को तीन हजार रुपये देने की पहल की गई, न ही किसानों को धान के 3,100 और गेहूं के 2,700 रुपये प्रति क्विंटल दिए गए। सोयाबीन का छह हजार रुपये देने की घोषणा प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र चुनाव के समय की थी, उसे भी लागू नहीं किया गया। एक भी दिन ऐसा नहीं बीतता है, जब महिलाओं और बच्चियों के साथ कोई घटना न घटती हो। अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उत्पीड़न की खबरें भी हर दिन सामने आ रही हैं। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने पर आज अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह और बुधनी से विधायक रमाकांत भार्गव के शपथ ग्रहण से कार्यवाही शुरू हुई। शाह जुलाई में जीते थे जबकि भार्गव हाल में जीते हैं। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई जिसमें विस अध्यक्ष, सीएम मोहन यादव नेता प्रतिपक्ष भी मौजूद थे। सत्र में सरकार जन विश्वास विधेयक प्रस्तुत करेगी, जिसके माध्यम से छोटे-छोटे मामलों को कोर्ट-कचहरी के स्थान पर अर्थदंड लगाने का अधिकार अधिकारियों को दिया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के लिए 17 दिसंबर को 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रथम अनुपूरक बजट के साथ नगर निगम और नगर पालिका अधिनियम और निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे। इसमें नगरीय विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा, श्रम, सहकारिता सहित अन्य विभागों के उन अधिनियमों में संशोधन किया जा रहा है, जिनमें दो-तीन माह की सजा या जुर्माने का प्रविधान है। ऐसे मामलों में समझौते का प्रावधान शामिल किया है।

आइंस्टीन,एडविना,जेपी...को लिखी नेहरू की चिट्ठियां राहुल से वापस मांगी गई

नई दिल्ली.एजेंसी

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के सदस्य रिज़वान कादरी ने उन महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट्स की वापसी में राहुल गांधी की मदद मांगी है, जो जवाहरलाल नेहरू से जुड़े हैं और %सोनिया गांधी के पास रखे हुए% हैं। उन्होंने गांधी को पत्र लिखा है और कहा है कि जवाहरलाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के %51 डिब्बे% लौटाए जाएं। कादरी का आरोप है कि यूपीए के शासनकाल में 2008 में 51 डिब्बों में भरकर नेहरु के व्यक्तिगत पत्र सोनिया गांधी के पास पहुंचाए गए थे। नेहरु ने ये पत्र एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत आदि को लिखे थे। पीएमएमएल सदस्य कादरी ने इससे पहले उन्होंने सितंबर में सोनिया गांधी को भी पत्र लिखा था।

पीएमएमएल का मानना है कि ये ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेज हैं और इन तक पहुंच आवश्यक है। ये पत्र नेहरु मेमोरियल ने 1971 में नेहरु मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी (अब पीएमएमएल) को दिए थे। अब राहुल से कहा गया है कि या तो सोनिया गांधी से ओरिजनल पत्र दिलवाएं या फिर इनकी फोटोकॉपी या डिजिटल कॉपी दिलवाई जाए। पत्र में कहा गया है, हम समझते हैं कि ये दस्तावेज 'नेहरू परिवार' के लिए व्यक्तिगत महत्व रखते होंगे,लेकिन इन ऐतिहासिक सामग्रियों को अधिक व्यापक रूप से सुलभ बनाने से विद्वानों और शोधकर्ताओं को बहुत लाभ होगा।

दरअसल, इस सोसाइटी का कार्यकाल 4 नवंबर तक था और हाल में इसे कुछ महीनों के लिए बढ़ाया गया। इसके उपाध्यक्ष रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, निर्मला सीतारमण, अनुराग ठाकुर जैसे केंद्रीय मंत्री इसके 29 सदस्यों में शामिल हैं। 15 जून, 2023 को हुई सोसाइटी की एक मीटिंग में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसाइटी' रखने का फैसला किया गया था।

मेट्रो एंकर

प्रधानमंत्री संग्रहालय व पुस्तकालय सोसाइटी ने लिखा पत्र, पीएम सोसाइटी के अध्यक्ष

सास-पत्नी गिरफ्तार पर अतुल का बेटा अभी 'लापता'

जौनपुर, एजेंसी

आईटी इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस में पुलिस ने उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया के साथ सास और साले को तो गिरफ्तार कर लिया है। सुसाइड नोट में अतुल ने इन तीनों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। लेकिन उनके बेटे का अभी पता नहीं हैं। फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अतुल के भाई विकास ने निकिता और उसकी मां-भाई की गिरफ्तारी के बाद कहा है कि इस मामले में कुछ और लोग भी शामिल हैं, जिनकी अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। विकास ने अपने भतीजे यानि अतुल सुभाष के बेटे को लेकर चिंता व्यक्त की व कहा कि, भतीजे के हालात को सार्वजनिक किया जाए और अगर संभव हो तो उसकी देखभाल उन्हें सौंपी जाए। अतुल का बेटा कहां है, किस हाल में है और किसके पास है, इन सबके बारे में उन्हें बताया जाए।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में शीतलहर चलने के बाद ठंड बढ़ी है। ऐसे में एक बार फिर गर्म कपड़ों की मांग में इजाफा हुआ है।

सर्दी का सितम, 5 डिग्री से नीचे पारा

भोपाल. एजेंसी

इन दिनों शहरवासी कड़ाके की सर्दी का सामना कर रहे हैं। सर्द हवाओं के कारण फिजा में ठंडक घुल गई है। लगातार दूसरे दिन शहर में तीव्र शीत लहर की स्थिति रही। न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई और दूसरे दिन भी न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले दस सालों में दिसंबर में तीसरी बार शहर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के नीचे पहुंचा है, जबकि 24 सालों में पहली बार दिसंबर का पहला पखवाड़ा इतना सर्द बीता है। राजधानी में पिछले एक सप्ताह से तेज सर्दी का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। पिछले दस सालों में देखे तो 2021 और 2018 में ही न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंचा है, वह भी स्थिति दूसरे पखवाड़े में बनी थी, जबकि इस बार पहले पखवाड़े में ही न्यूनतम तापमान दो बार 5 डिग्री के नीचे पहुंच गया है। फिलहाल मौसम का मिजाज इसी तरह रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला का कहना है कि भोपाल में पिछले सालों के मुकाबले अधिक सर्दी पड़ रही है। इसका कारण उत्तरी हवाओं का प्रवेश लगातार होना है। इस समय की स्थिति देखी जाए तो राजस्थान में प्रतिचक्रवात बना हुआ है, इसके कारण सर्द हवा राजगढ़, भोपाल, होते हुए जबलपुर तक पहुंच रही है। पश्चिमी विक्षोभ आ रहे हैं और हवा भी उत्तर और उत्तर पश्चिमी है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी की नई प्रवेश प्रक्रिया, सभी डीईओ-डीपीसी को आदेश जारी

सरकारी स्कूलों में ड्रॉपआउट रोकने और विद्यार्थी के एडमिशन की प्राचार्य-शिक्षकों की होगी जिम्मेदारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए अच्छी खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ड्रॉपआउट रोकने और विद्यार्थियों के एडमिशन को लेकर प्राचार्य-शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की है। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने नई प्रवेश प्रक्रिया जारी कर दी है।?शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यह नई प्रवेश प्रक्रिया जारी की है। जिसके तहत अब विद्यार्थी को स्कूल में प्रवेश के लिए चक्कर नहीं काटने होंगे। स्कूल प्राचार्य, प्रधानाध्यापक सहित शिक्षक अभिभावकों से संपर्क करने के साथ ही प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करेंगे। क्लस्टर के सभी प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय के प्रमुख एवं हाईस्कूल प्राचार्य स्कूल से उत्तीर्ण विद्यार्थी के आगामी कक्षा में शत-प्रतिशत प्रवेश के लिए जवाबदेह होंगे।

6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश की कार्यवाही करेंगे

दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे स्कूल जो कक्षा 5वीं-8वीं अथवा 10वीं तक संचालित हैं, उन स्कूलों के प्रधानाध्यापक-प्राचार्य पास के स्कूल के लिए कक्षा 6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश की कार्यवाही करेंगे। संस्था प्रमुख प्रत्येक विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों से चर्चा कर यह सुनिश्चित करेंगे कि वे किसी स्कूल में प्रवेश लेना चाहते हैं। विद्यार्थियों के आवेदन भरवाकर सभी औपचारिकताएं पूरी कर प्रवेश देंगे। इसके साथ ही संबंधित स्कूल के संस्था प्रमुख को भी सूचित करेंगे।

सीधे प्रवेश देने का अधिकार यथावत

संबंधित स्कूल जहां से विद्यार्थी पास हुआ है, उस स्कूल के प्रधानाध्यापक, प्राचार्य के द्वारा दिया गया प्रवेश मान्य होगा। यह प्रवेश पास के स्कूल या संकुल विद्यालयों में ही दिए जाएंगे।

प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाने का प्रयास

आदेश में उप सचिव में चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि विभाग के संज्ञान में आया है कि सरकारी स्कूलों में कक्षा 5वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं और 11वीं में प्रवेश के समय कई विद्यार्थी स्कूल बदलते हैं। कुछ विद्यार्थी आगामी कक्षा में प्रवेश ही नहीं लेते हैं। इससे सर्वाधिक ड्रॉपआउट होता है। सभी उत्तीर्ण विद्यार्थी का आगामी कक्षा में प्रवेश सुनिश्चित करने और ड्रॉपआउट की संख्या को कम करने के लिए विभाग द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा ड्रॉपआउट को कम करने के लिए यह निर्देश जारी किए गए हैं। विद्यार्थी स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेकर अपनी रूचि के स्कूल में स्वयं भी प्रवेश लेने के लिए स्वतंत्र रहेंगे। किसी भी विद्यालय को सीधे प्रवेश देने का अधिकार यथावत रहेगा।

स्कूली कार्यक्रमों में बच्चे को शामिल करने लेनी होगी अभिभावक की अनुमति

भोपाल. दोपहर मेट्रो

- मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग सहित सभी कलेक्टरों को पत्र

स्कूली कार्यक्रमों में बच्चों को शामिल करने के लिए अब स्कूल प्रबंधन को अभिभावक की अनुमति लेनी होगी। इसको लेकर मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है। इसके साथ ही सभी जिला कलेक्टरों को भी पत्र लिखकर स्पष्ट कहा है कि इस संबंध में यदि किसी प्रकार की शिकायत या विवाद संज्ञान आता है, तो विद्यालय/संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अनुशंसित की जाएगी। जिसका संपूर्ण उत्तर दायित्व विद्यालय/संस्था का होगा।

दरअसल, संबंध में बाल आयोग के सदस्य अनुराग पांडेय ने पत्र लिखा है। आयोग सदस्य पांडेय ने लिखा है कि विविध आयोजनों के अवसर पर विद्यालयो में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले चयनित बालक बालिकाओं को विविध वेशभूषा एवं अन्य कोई पात्र बनाये जाने के लिए विद्यालय/संस्था द्वारा बालक बालिकाओं के अभिभावकों से लिखित अनुमति प्राप्त कर ही बनाया जाए। किसी भी स्थिति में बिना अभिभावको की लिखित अनुमति के किसी भी बालक बालिकाओं को उक्त कार्यक्रम में शामिल न कराया जाए, जिससे किसी भी प्रकार अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

संत हिरदारामजी का निर्वाण दिवस 21 दिसंबर को

कुटिया में होंगे धार्मिक कार्यक्रम, समाजसेवी दोहराएंगे सेवा का संकल्प, सेवा कार्य होंगे

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत स्वामी हिरदाराम साहब जी के महानिर्वाण दिवस पर 21 दिसंबर को समाजसेवा का संकल्प दोहराया जाएगा। संतजी की सेवा की राह पर चलने वाले स्वामीजी को याद करेंगे। कुटिया में तीन दिवसीय कार्ययक्रम होंगे। महानिर्वाण दिवस पर कार्यक्रमों की शुरूआत 19 दिसंबर से होगी। सेवा संकल्प धाम (कुटिया) में 19 दिसंबर से 21 तक संपट पाठ, आशादिवार, सुखमनी पाठ, व सत्संग होंगे। 21 को आम भंडारे का होगा आयोजन होगा। इस दिन सुबह से शाम तक कुटिया संतजी के दर्शन के लिए खुली रहेगी। संस्था जीवन ज्योति संस्था द्वारा आम भंडारे का आयोजन किया जाएगा, संत जी के निर्वाण दिवस पर नव युवक सभा स्कूल भवन में सुबह 10 बजे से देर शाम तक निरंतर प्रसाद का वितरण किया जाएगा संत जी के शिष्य व संस्था प्रमुख चन्द्र कुमार चांदवानी ने बताया कि प्रसाद वितरण दिनभर चलेगा आम भंडारे की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सिविल अस्पताल को हेण्ड वाकर दिया जाएगा

बजरंग सेना समिति के उपाध्यक्ष जीतू शिवनानी संत हिरदाराम साहिब जी के निर्वाण दिवस पर सिविल अस्पताल में हेण्ड वाकर भेंट करेंगे। शिवनानी ने बताया कि अस्पताल में ऐसे कई मरीज आते है जो किसी न किसी का सहारा लेकर डॉक्टर तक पहुंच कर अपना उपचार करवाते है। अस्पताल में हैण्ड वाकर होगा तो सामने वाला मरीज हेण्ड वाकर का सहारा लेकर खुद स्वयं पर निर्भर होकर डॉक्टर के पास जाकर अपना उपचार करवा सकेंगे।

अखंड रामधुनी 20 दिसंबर से, हरे राम-राम हरे राम गूंजेगा

संत हिरदारामजी ने शुरू की थी परंपरा, सिद्धभाऊजी करेंगे शुभारंभ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतजी की प्रेरणा से शुरू हुई वार्षिक अखंड रामधुनी का आयोजन 20 दिसंबर से 26 तक साधू वासवानी स्कूल पर किया जाएगा, जिसकी शुरूआत 20 दिसंबर को सुबह 7 बजे से होगी, सात दिवसीय रामधुनी में 24 घण्टे भगवान का नाम जपा जाएगा हरे राम हरे राम हरे कृष्ण हरे कृष्ण की रट सुबह से शाम तक महिलाएं व लड़कियां धुनी लगाएंगी और शाम को दूसरे दिन सुबह तक पुरूष और युवा बच्चे राम धुन का जाप करेंगे।

बता दे संत जी ने 59 वर्ष पूर्व साल के अंतिम माह के आखरी सप्ताह में दौलतराम धर्मशाला से धुनी की शुरुआत की थी जो लगातार जारी है यह रामधुन का 60 वां वर्ष है इसकी व्यवस्था परमहंस संत हिरदाराम रामधुन अत्रक्षेत्र समिति के सदस्य करते हैं समिति ने रामधुनी को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। संत सिध्द भाऊ जी इस महोत्सव में शामिल होकर रामधुनी का शुभारंभ करवायेंगे। रामधुनी में सभी की खुशहाली की कामना की जाएगी।

मेट्रो एंकर

भाजपा ने 32 मंडल अध्यक्षों की घोषणा की

मंडल अध्यक्ष बने बागवानी, मीणा ने की राम बंसल से मुलाकात

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर और गांधीनगर में भाजपा के स्थानीय नेतृत्व प्रमुखों के नाम सामने आ गए हैं। रायशुमारी में इन दोनों नेताओं के पक्ष में राय थी। वैसे दोनों नेता विधायक रामेश्वर शर्मा के खास है। संतनगर मंडल की कमान युवा नेता मनीष बागवानी और गांधीनगर मंडल की राजू मीणा सौंपी गई है। बता दे भाजपा ने 32 मंडल अध्यक्षों की घोषणा की है। नारायण शेजवलकर के अनुमोदन एवं जिला भोपाल के पर्यवेक्षक राजेन्द्र पांडेय की सहमति के उपरांत जिला भोपाल में निर्धारित मापदंडों के आधार पर मण्डल अध्यक्ष की घोषणा की गई है, जिसमें संतनगर मण्डल की जिम्मेदारी युवा मनीष बागवानी को गांधीनगर मण्डल की जिम्मेदारी राजू मीणा को दी गई है। बागवानी विधायक के साथ जिला उपाध्यक्ष राम बंसल के करीबी हैं। जिम्मेदारी मिलने के बाद दोनों मंडल अध्यक्षों ने बंसल से मुलाकात की। बंसल ने पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई दी। मनीष के मण्डल अध्यक्ष बनने पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, राम बंसल, शेट्टी चंदनानी, सुमित आहूजा, लवीन मनसुखानी व अन्य नेताओं ने बधाई दी है।

कुकरेजा को फिर जिम्मेदारी: भाजपा मंडल की सूची में गुरूनानक मंडल से राकेश कुकरेजा को फिर मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। कुकरेजा पार्टी की गतिविधियों को लगातार संचालित करते रहे हैं। वह सांसद आलोक शर्मा के प्रतिनिधि भी हैं। गुरूनानक मंडल सर्वाधिक कार्यक्रम करने वाला मंडल है। कुकरेजा को फिर गुरूनानक मंडल का अध्यक्ष बनाए जाने पर सिंधी समाज ने खुशी का इजहार किया।

बागवानी का मित्र मंडली ने किया अभिनदंन

संत नगर मण्डल के अध्यक्ष बनने पर मनीष बागवानी को मित्र मंडली ने बधाई दी है। शाल एवं श्रीफल से बागवानी का अभिनंदन किया। अभिनंदन करने वालों में राजेश बेलानी, मोहन लालवानी, पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, हरीश केसवानी, बसंत चेलानी, गुलाब जेठानी, कमल वीधानी, कन्हैया इसरानी, पंडित जयकुमार शर्मा, राजू वर्मा, प्रदीप बसरेजा, सोनू रायचंदानी, वासदेव झमतानी, शेट्टी चंदनानी, नवीन मनसुखानी शामिल थे। बागवानी ने उनके ऊपर विश्वास जताने पर पार्टी के वरिष्ठनेताओं को आभार जताया है। उन्होंने कहा जो जिम्मेदारी मिली है, उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा।

वीर बाल दिवस पर 26 को होंगे आयोजन

भोपाल। सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह के वीर पुत्रों, साहिबजादा कोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर प्रदेश के स्कूलों में वीर पुत्रों के बलिदान पर केन्द्रित आयोजन होंगे। वीर बाल दिवस के मौके पर ÷मेरे सपनों का भारत', 'मुझे किससे खुशी होती है', विषय पर चित्रकला, कहानी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी। बच्चों के लिये 'राष्ट निर्माण में बच्चों की भूमिका और विकसित भारत के लिये मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि उनके जिले की शालाओं में प्रार्थना सभा में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायें।

पीएम कल पार्वती-कालीसिंध-चंबल व 25 को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की रखेंगे आधारशिला

सत्ता व संगठन ने पीएम मोदी के मप्र आगमन से पहले शुरू की तैयारियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 दिसंबर को राजस्थान के जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना और 25 दिसंबर को मप्र के छतरपुर में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री के मप्र आगमन से पहले सत्ता व संगठन स्तर पर उक्त आयोजन की तैयारियां तेज कर दी है। सरकार के स्तर पर सीएम डॉ. मोहन यादव खुद समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को कमान दी है। संगठन स्तर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं खजुराहो संसाद वीडी शर्मा भी मैदान में मोर्चा संभाले हुए हैं। वीडी ने रविवार खजुराहो में सागर संभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की और जरुरी तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग के भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। सभी से नदी जोड़ो परियोजना के शिलान्यास अवसर पर अधिक से अधिक पहुंचने का आव्हान किया। इसके पूर्व परियोजना से लाभान्वित जिलों में धार्मिक व जन जागरुकता कार्यक्रम करने की बात कही। वीडी ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने वाली है। सूखे का कलंक मिटने वाला है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि लोगों ने यहां की गरीबी और सूखे पर राजनीति तो खूब की, लेकिन स्थिति को बदलने के लिए कोई प्रयास नहीं किए। यह भी कहा कि कांग्रेस के एक बड़े नेता बुंदेलखंड आए थे। एक बहन के घर में रुके थे। सुबह जाते समय बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन बाद में पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उस बहन के क्या हाल हैं। उस बहन के सिर पक्की छत देने का काम भी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजना से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने का सपना देखा था। उनकी सरकार ने इस दिशा में काम भी शुरू किया जिसे कांग्रेस लटकाती रही।

मुख्यमंत्री के निर्देश

प्रदेश के सभी छात्रावासों में सुरक्षा मानकों की करें जांच

मऊगंज के छात्रावास में गैस सिलेंडर फटने से हुई घटना पर सरकार ने लिया संज्ञान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सभी छात्रावासों में सुरक्षा मानकों की जांच होंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इसके निर्देश दिए हैं। असल में मऊगंज जिले के नईगढ़ी स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावास में सिलेंडर फटने से 8 छात्रों और एक रसोइया बुरी तरह घायल हो गया था। सीएम ने उक्त घटना को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी घायलों को समुचित उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रीवा भेजा है। विस्तृत जांच के लिए एक समिति गठित कर दी है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में अत्यंत गंभीर रूप से घायल छात्र को 2 लाख रुपये, गंभीर घायल छात्रों को 50-50 हजार रुपये और अन्य घायलों को नियमानुसार आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हॉस्टल अधीक्षक को तुरंत निलंबित करने और जांच समिति का गठन किया है, जो प्रतिवेदन एक सप्ताह में प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों के छात्रावासों में सुरक्षा के मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया है।

सपा कल घेरेगी विधानसभा

विधायक डोडियार भी उठाएंगे आवाज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस ही नहीं, मोहन सरकार का समाजवादी पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी भी सदन से लेकर सड़क तक घेरेगी। सपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव मंगलवार विधानसभा घेराव की चेतावनी दी है तो बाप की टिकट पर सैलाना सीट से जीते विधायक कमलेश्वर डोडियार ने भी विधानसभा में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही है। असल में सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता कर डॉ. यादव ने आरोप लगाए कि प्रदेश में चोरी, लूट, हत्या, महिलाओं एवं नाबालिग बच्चियां के साथ छेडछाड, दुष्कर्म व हत्या जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। किसानों की खाद एवं उचित समर्थन मूल्य की मांगों की भरपाई करने में सरकार पिछड़ रही है। आदिवासियों, दलितों एवं पिछडों पर भाजपा के तथाकथित नेताओं कार्यकर्ताओं के अत्याचार बढ़े हैं। बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओ में धांधली की लगातार घटनाएं सामने आ रही है। लेकिन भाजपा सरकार बेफिक्र है। सरकार को नींद से जगाने के लिए 17 दिसम्बर को विधानसभा का घेराव किया जाएगा। डोडियार ने कहा कि वह विधानसभा में विशेषाधिकार हनन से जुड़े विषय को उठाएंगे। रतलाम में उनके साथ डॉक्टर ने अभद्रता की। अपमानित करने वाले शब्द कहे। नियमों का पालन नहीं किया। जब कार्रवाई की मांग की तब भी डॉक्टर को बचाया जा रहा है। एक चुने हुए जनप्रतिनिधि के साथ डॉक्टर का रवैया ठीक नहीं था। उक्त मामले को लेकर उन्होंने विधानसभा के पटल पर स्थगन प्रस्ताव भी रखा है। डोडियार ने कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लोगों के साथ अन्याय जारी है। आदिवासी तेजी से पलायन कर रहे हैं, जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में उनके बच्चों की पढ़ाई प्रभावित है। मनरेगा में समय पर भुगतान नहीं हो रहे हैं। गांव-गांव में शराब माफिया सक्रिय है।

पूर्व में काम कर चुके अतिथि शिक्षकों को नियुक्ति में दी जाएगी प्राथमिकता

- दिसम्बर माह से रिक्तियों पर अतिथि शिक्षक व्यवस्था के लिए डीपीआई ने दिए आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पूर्व में काम कर चुके अतिथि शिक्षकों को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाए। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य हाई स्कूल अथवा हायर सेकेंडरी स्कूल, एवं समस्त शाला प्रभारी को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2024 - 25 मे शासकीय विद्यालयों में नियमित शिक्षक की अनुपलब्धता होने पर शैक्षणिक व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु अतिथि शिक्षको की व्यवस्था की गई है। वर्तमान मे अधिकतर विद्यालयों मे पूर्व से कार्यरत एवं शाला विकल्प चयन के माध्यम से अतिथि शिक्षको की व्यवस्था की जा चुकी है। दिसम्बर माह से उद्भूत होने वाली रिक्तियों पर अतिथि शिक्षक व्यवस्था हेतु निम्नानुसार निर्देश प्रसारित किये जाते है। अतिथि शिक्षक आमंत्रण हेतु पोर्टल पर शाला प्रभारी के लॉगिन पर विकासखण्ड पेनल की मेरिट सूची उपलब्ध है। विद्यालय मे रिक्त पद के विरूद्ध अतिथि शिक्षक की आवश्यकता होने पर निम्नानुसार कार्यवाही की जाए। विद्यालय मे किसी आवेदक के द्वारा यदि विगत सत्र में रिक्त पद के विरुद्ध अतिथि शिक्षक के रूप मे कार्य किया है, तथा आवेदक का नाम विकासखण्ड की पेनल सूची मे है तथा उस विषय का पद रिक्त होने पर उस आवेदक को प्राथमिकता के आधार पर उसी विद्यालय मे आमंत्रित किया जा सकेगा।

कल पेंशनर्स डे मनाएंगे पूर्व कर्मचारी

भोपाल। पेंशनभोगी स्व डीएस नाकारा के पक्ष में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय को लेकर नाकारा को कृतज्ञता के साथ याद करने के लिए पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रतिवर्ष की भांति कल भी 42 वां पेंशनर दिवस मनायेगा। अंबेडकर पार्क, लिंक रोड -2, पर सुबह 11 बजे सरकार के पेंशनर्स जुटेंगे। एसो. भोपाल जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने बताया कि पेंशन डे पर 75 वर्ष एवं उससे ऊपर आयु के पेंशनरों को सम्मानित किया जाएगा । संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना के अनुसार न्यायालय में दायर याचिकाओं के संबंध में भी विस्तार से पेंशनरों को जानकारी दी जाएगी साथ ही पेंशनरों की लंबित मांगों के संबंध में भावी आंदोलन की रणनीति तैयार की जावेगी । उधर आल इंडिया रिटायर्ड रेल्वेमेंस फेडरेशन भी कल पेंशनर्स डे मना रही है। इसमें डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम रेल्वे इंस्टीट्यूट में होगा।

संपादकीय

शांति व सद्भाव के लिए

देश में कुछ नये किस्म के घटनाक्रम चल रहे हैं। इनमें भी पिछले कुछ समय से जिस तरह उपासना स्थलों पर दावेदारी की कोशिशें हैं, उससे लोग उलझन में हैं वहीं सर्वोच्च न्यायालय का ताजा निर्देश निश्चय ही राहत देने वाला है। न्यायालय की तीन जजों की पीठ ने देश की सभी अदालतों से कहा है कि वे पूजा स्थलों से संबंधित सर्वेक्षण या अन्य किसी प्रकार की राहत के लिए अनुरोध वाली याचिका पर विचार न करें या कोई अंतरिम या अंतिम फैसला न सुनाएं। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर को लेकर दावा किया गया था कि वहां पहले हिंदू मंदिर था। विवाद बढ़ गया तो न्यायालय के निर्देश पर उस स्थान का सर्वेक्षण कराया गया। फिर उसके तथ्यों के आधार पर मस्जिद परिसर के एक हिस्से में हिंदू श्रद्धालुओं को पूजा करने का आदेश दे दिया गया। वह फैसला एक नजीर बन गया और फिर देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों के नीचे किसी हिंदू मंदिर के अवशेष दबे होने के दावे किए जाने लगे। उप्र के संभल में एक मस्जिद को लेकर इसी तरह के दावे की याचिका पर निचली अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दे दिया। उस पर हिंसा भड़क उठी और पांच लोग मारे गए। उसके बाद अजमेर दरगाह के हिंदू मंदिर की जगह बने होने का दावा किया गया, तो वहां की अदालत ने उसके सर्वेक्षण का आदेश दे दिया। इन घटनाओं से विवाद बढ़ता गया। हालांकि पूजा स्थलों पर ऐसे दावे कोई पहली बार नहीं किए जा रहे हैं। पहले भी अयोध्या के विवादित ढांचे के साथ-साथ अलग-अलग शहरों में मस्जिदों और दरगाहों को अवैध ठहराने की कोशिशें की गई थीं। उसी के मद्देनजर उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 बनाया गया। उसमें स्पष्ट कहा गया है कि 15 अगस्त, 1947 को विद्यमान उपासना स्थलों का धार्मिक स्वरूप वैसा ही बना रहेगा, जैसा वह उस दिन था। इसमें अयोध्या के विवादित ढांचे को इसलिए अलग रखा गया था क्योंकि उसे लेकर मामले पहले से चल रहे थे। मगर ज्ञानवापी मस्जिद सर्वेक्षण के बाद फिर से वैसे दावे शुरू हो गए और उपासना स्थल अधिनियम को नजरअंदाज किया जाने लगा। अब तो सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कराई गई है कि उपासना स्थल अधिनियम की धारा दो, तीन और चार को रद्द करने का आदेश दिया जाए। इस पर सर्वोच्च न्यायालय विचार करेगा। इसलिए भी निचली अदालतें स्वतः पूजा स्थलों के स्वरूप परिवर्तन आदि के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई टालने को बाध्य हैं। जब भी समान प्रकृति के किसी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा होता है, तो उस पर निचली अदालतों को अपनी सुनवाई रोक देनी होती है। उपासना स्थल अधिनियम से जुड़े मामलों पर भी यही नियम लागू होता है। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में क्या फैसला करता है, यह तो देखने की बात है। मगर हमारे संविधान की मूल भावना पर भी ध्यान देने की सभी को जरूरत है। हमारा संविधान पंथ निरपेक्षता और दूसरे धर्मों का आदर करने की वकालत करता है। वैसे भी हमारा इतिहास आक्रांताओं की ज्यादतियों से भरा पड़ा है। अगर उनकी बनाई इमारतों, पूजा स्थलों को ढहा कर उन पर नया स्वरूप खड़ा भी कर दिया जाए, तो वह इतिहास नहीं बदलेगा। इस तरह की बदले की कार्रवाइयों से सामाजिक समरसता ही भंग होगी। सबसे अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस तरह की दावेदारी वाली याचिकाओं की सुनवाई पर रोक लगा दी है। मगर इसके बाद भी इसे लेकर अंतिम रूप से कोई व्यवस्था बनाने की दरकार है ताकि समरसता बनी रहे।

एक मूर्ख व्यक्ति के लिए किताबें उतनी ही उपयोगी होती हैं, जितना कि एक अंधे व्यक्ति के लिए आईना।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 2009- जेम्स कैमरन ने विज्ञान पर आधारित फिल्म 'अवतार' का निर्माण किया, दुनियाभर में इस फिल्म ने 2.7 अरब डॉलर की कमाई की।
- 2008- सेंट्रल यूनिवर्सिटीज के शिक्षकों के वेतन पुनरीक्षण को गठित चड्ढा समिति की संस्तुतियों को केंद्र सरकार ने मंजूर किया।
- 2006- नेपाल में अंतरिक्ष संविधान को अंतिम रूप दिया गया था।
- 1999- गोलन पहाड़ी के मुद्दे पर सीरिया-इस्रायल वार्ता विफल हुई थी।
- 1993- नई दिल्ली में 'सभी के लिए शिक्षा' सम्मेलन शुरू हुआ था।
- 1985- कलपक्कम में देश के पहले फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर ने काम करना शुरू किया।
- 1971- भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर सहमति के बाद पाकिस्तान से अलग होकर बंगलादेश स्वतंत्र राष्ट्र बना था।
- 1951- हैदराबाद में सालार जंग संग्रहालय की स्थापना की गई थी।
- 1960- अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में दो विमानों के टकराने से 136 लोगों की मौत।
- 1945- दो बार जापान के प्रधानमंत्री रहे फूमिमारो कनोए ने युद्ध अपराधों का सामना करने की बजाए आत्महत्या कर ली।
- 1938- जर्मन रसायनशास्त्री ओटो हान ने यूरेनियम के नाभिकीय विखंडन की खोज की थी।
- 1929- कलकत्ता (अब कोलकाता) विद्युत आपूर्ति निगम ने हुगली नदी के भीतर नहर की खुदाई शुरू हुई थी।
- 1927- आस्ट्रेलिया के महान् बल्लेबाज सर डान ब्रैडमैन ने न्यूसाउथ वेल्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच से अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट की शुरुआत की थी।
- 1920- चीन के कान्सू प्रांत में भीषण भूकंप आने से एक लाख से ज्यादा लोगों की मौत।
- 1889- ब्रिटिश संसद की अधिकार घोषणा को राजा विलियम तथा रानी मेरी ने स्वीकार कर शासन में जनता के अधिकार को मान्यता दी थी।

निशाना

अलग नहीं कुछ स्वाद !

-कृष्णेन्द्र राय

चल रहा ना सत्र।
बढ़ रहा विवाद।।
रोज वही शिगूफा।
अलग नहीं कुछ स्वाद।।
अपने अपने रंग में।
रंग गए हैं सारे।।
देख रही है जनता।
इनके नित नजारे।।
सूझे ना उपाय।
हो कैसे बदलाव।।
देखते ही देखते।
आया ये पड़ाव।।
जा रहा पर पल पल।
जनता को संदेश।।
क्रिया कलाप लगता।
चल रहा विशेष।।

सांदीपनि के 'मोहन' अब ला रहे विकास की नई लहर

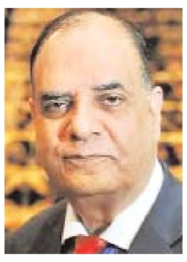

■ **आलोक मेहता**

श्रीकृष्ण के शिक्षा स्थल उज्जयिनी में आज भी संदीपनी आश्रम श्रद्धा और प्रेरणा का केंद्र है। लेकिन शायद श्रीकृष्ण के द्वापर युग से प्रकाश चंद्र सेठी के सत्ता काल में रही अपेक्षाओं आशाओं को पूरा करने का समय और नेता पहली बार विशाल मध्य प्रदेश की सत्ता के सिंहासन पर बैठा है। मुख्य मंत्री के रुप में मोहन यादव के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने जा रहा है। इस कम अवधि में जिस तेजी से उज्जैन ही नहीं इंदौर के अलावा सुदूर रीवां, जबलपुर, ग्वालियर इलाकों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, परिवहन, पानी, बिजली और मकान की सुविधाओं विकास और कल्याण के कार्यक्रमों की पहल सचमुच एक नया अध्याय है। अब इसे अपने गृह नगर के प्रति या पूर्वाग्रह मत समझिये, क्योंकि उसी संदीपनी के शिक्षा केंद्र से निकल दिल्ली महानगर आए लगभग 53 वर्ष हो गए हैं और उज्जैन इंदौर के अलावा मध्य प्रदेश के नेताओं मुख्यमंत्रियों से संपर्क और पत्रकारीय सम्बन्ध रहे हैं। प्रदेश के ही नहीं राष्ट्र के शीर्ष नेता रहे डॉक्टर डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा से वर्षों तक मिलने और बातचीत का सौभाग्य रहा है। हाँ, स्वयं मोहन यादवजी से न अधिक मुलाकातें हुई और न ही नजदीकी सम्बन्ध रहे। इसलिए तटस्थ भाव से कह सकता हूँ कि मध्य प्रदेश के लिए मोहन यादव प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पूर्ण विश्वास और प्रदेश में सरकार के भारी बहुमत तथा पार्टी का सम्पूर्ण समर्थन होने के कारण बहुत तेज गति से विकास योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

राजनीति से हटकर सफलता का एक बड़ा कारण यह भी लगता है कि सामान्य परिवार, सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि शिक्षा में विज्ञान, कानून, प्रबंधन की डिग्रियों के साथ दर्शन शास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि की योग्यता से मोहन यादव तात्कालिक चुनौतियों और कार्यों के साथ विकसित भारत में अपनी महाकाल नगरी और प्रदेश के दूरगामी विकास के लिए योजनाओं का शंखनाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विद्यार्थी परिषद और फिर भाजपा में शिवराज सिंह और कैलाश विजयवर्गीय के साथ नरेंद्र मोदी, अमित शाह के साथ संबंधों के संस्कार मोहन यादव की राजनीतिक सामाजिक प्रशासकीय जमीन अधिक मजबूत बना रहे हैं। एक कारण यह भी है कि मोहनजी को भाजपा के लम्बे शासन काल के दौरान जनता को दिए गए लाभ और उनकी कठिनाइयों चुनौतियों का अनुभव था। शिवराज सिंह के साथ शिक्षा मंत्री रहते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की नई शिक्षा नीति को जितनी तेजी से उन्होंने क्रियान्वयन शुरु किया, मेरी अपनी जानकारी के अनुसार किसी अन्य राज्य सरकार ने नहीं किया। हाँ, शिक्षा राज्य का विषय है और यदि मोदीजी मध्य प्रदेश को शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में विस्तार के लिए विशेष सहायता दें, तो मोहन यादव आने वाले दशकों में देश का ही नहीं विश्व का एक महत्वपूर्ण श्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदेश और स्वास्थ्य रक्षा कॉरिडोर बना सकते हैं। आखिर यह इलाका संदीपनी, कालिदास, विक्रमादित्य, राजा भोज, महारानी अहिल्याबाई होल्कर, बालकृष्ण शर्मा नवीन, माखनलाल चतुर्वेदी, द्वारका प्रसाद मिश्र, शंकर दयाल शर्मा, सेठ गोविन्द दास, डॉक्टर शिवमंगल सिंह सुमन, श्रीकृष्ण सरल जैसी शिक्षा संस्कृति की विभूतियों का है। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, ग्वालियर रीवां आदि मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर प्रदेश से अधिक देश विदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। स्वास्थ्य लाभ के लिए प्राकृतिक अनुकूल इलाका है। पर्यटन में धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी उज्जैन, ओंकारेश्वर से लेकर नर्मदा चम्बल के सुन्दर किनारों जबलपुर, ग्वालियर, रीवां, कान्हा अभ्यारण्य और भेड़ाघाट, पचमढ़ी दुनिया के आकर्षण केंद्र बन रहे हैं।

इसे कुछ हद तक दुर्भाग्य कहा जाएगा कि मध्य प्रदेश में द्वारका प्रसाद मिश्र, गोविन्द नारायण सिंह, श्यामाचरण शुक्ल, प्रकाशचंद्र सेठी, अर्जुन सिंह, मोतीलाल वोरा, दिग्विजय सिंह, कमलनाथ जैसे कांग्रेस के अनेक अनुभवी और शिक्षित मुख्यमंत्री आए, लेकिन वे आपसी राजनीतिक खींचातानी और कुछ हद तक अस्थिरता और भ्र्ष्टाचार के आरोपों में उलझे रहे और आला कमान के हस्तक्षेप ने भी उन्हें बढ़ने नहीं दिया। इसलिए प्रदेश के विकास की गति धीमी रही। जनता पार्टी राज में कैलाश जोशी, सुंदरलाल पटवा या भाजपा की उमा भारती और बाबूलाल गौर कम अवधि के लिए मुख्यमंत्री रहे। शिवराज सिंह चौहान के लम्बे कार्यकाल से मध्य प्रदेश में विकास और कल्याण की योजनाएं केंद्र में मोदी सरकार के व्यापक सहयोग से अधिक अच्छी तरह क्रियान्वित होती रहीं। इस दृष्टि से मोहन यादव को भी पार्टी और केंद्रीय नेतृत्व और बहुत हद तक प्रदेश की स्थानीय संस्थाओं, पंचायत, नगर पालिका - निगमों और जनता का सहयोग मिलने पर औधोगिक विकास एवं रोजगार उपलब्ध कराने में असाधारण सफलता मिलने की स्पष्ट संभावनाएं दिख रही हैं। मुख्यमन्त्री बनने के बाद उज्जैन के बाद प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों या मुंबई, कोलकाता में उद्यमी निवेश सम्मलेन, ब्रिटेन और जर्मनी में भी बैठकों से विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश के समझौते होना एक नया विश्वास पैदा करता है। हाँ, अपेक्षाओं का पहाड़ है और विकसित भारत का 2047 के लक्ष्य के लिए प्रतियोगिता कम नहीं होगी। फिर भी पहले वर्ष में बनती सुनहरी तस्वीर मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश को सही अर्थों में गौरवशाली प्रदेश बना सकती।

: लेखक देश के वरिष्ठ पत्रकार हैं और पद्मश्री से सम्मानित हैं)

भारत का दबदबा कायम : डोनाल्ड के ट्रंप कार्ड काश पटेल

■ **अरुण नैथानी**

अमेरिकी सत्ता में रिपब्लिकन हों या डेमोक्रेट, वे भारतीय प्रतिभाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। भले ही भारतीय मूल की बेटी कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव हार गई हों, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कई महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय वंशजों की नियुक्ति हर भारतीय को गर्व से भर देती है। हालांकि, अमेरिकी शासन अमेरिका फर्स्ट के समर्थकों को ही तरजीह देता है, लेकिन इस मुकाम को हासिल करने में भारतवंशियों ने कड़ी मेहनत और प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद संभालने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। इनमें हालिया चर्चा अमेरिकी शक्तिशाली खुफिया एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर पद पर भारतीय मूल के काश पटेल की नियुक्ति को लेकर हुई है। हालांकि, इससे पहले भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को भी विख्यात उद्योगपति एलन मस्क के साथ महत्वपूर्ण अमेरिकी नियामक संस्था डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी तरह हिंदू धर्म अपनाने वाली तुलसी गैबार्ड को भी महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। निस्संदेह, फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डायरेक्टर पद पर काश पटेल की नियुक्ति भारतीय मेधा का परमच लहराती है। उनकी नियुक्ति करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा भी कि काश उम्दा वकील, कुशल जांचकर्ता और अमेरिका फर्स्ट के प्रबल समर्थक हैं। साथ ही माना कि उन्होंने अमेरिकी हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा, न्याय का संरक्षण करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ कारगर मुहिम चलायी। वे काश को अमेरिकी फर्स्ट मुहिम

का प्रतिनिधि चेहरा भी मानते हैं। दरअसल, ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान उनके योगदान को नहीं भूले। जिसमें उनके पिछले चुनाव के दौरान चुनाव अभियान को प्रभावित करने की रूसी कोशिशों की भी जांच की थी। इतना ही नहीं, काश ने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती देने वाले खूंखार आतंकवादियों के खात्मे में भी अहम भूमिका निभायी थी।

दरअसल, काश पटेल न्यायिक व खुफिया अभियानों में योगदान के साथ ही अपने एक स्वयंसेवी संगठन 'काश फाउंडेशन' के जरिये सामाजिक बदलाव के अभियानों में योगदान देने के लिये भी जाने जाते हैं। वे अमेरिकी बच्चों की पढ़ाई के लिये स्कॉलरशिप के जरिये योगदान देते रहे हैं। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने वाले लोगों की भी मदद करते रहे हैं। साथ सैन्यकर्मियों व कानून प्रवतर्न एजेंसियों की भी आर्थिक सहायता करते हैं। इतना ही नहीं पिछले चुनाव में ट्रंप की हार के बाद उपजे विवादित कैपिटल हिल प्रकरण के आरोपियों की भी आर्थिक सहायता करते रहे हैं। काश पटेल की मेधा व योगदान के महत्व का पता इस बात से चलता है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले ही उनकी नियुक्ति की घोषणा कर दी।

काश पटेल एक लेखक भी हैं। जीवन यात्रा का उल्लेख उन्होंने अपनी पुस्तक 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' में किया। उनकी परवरिश एक मध्यमवर्गीय संस्कारित भारतीय परिवार में हुई। भारत से आए प्रवासी गुजराती परिवार में उनका लालन-पालन क्वींस और लॉन्ग आइलैंड में हुआ। उनके पिता अमेरिकी एविएशन कंपनी में काम करते थे। उन्होंने कालांतर न्यूयॉर्क से कानून की डिग्री हासिल की।

जैसा कि आम भारतीय परिवारों में होता है कि शिक्षा को समृद्ध करना उनकी प्राथमिकता होती है। साथ भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति व धार्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता है। यही वजह है कि बचपन में भारतीय पर्व-त्योहार, विशिष्टता के विवाह उत्सव और धार्मिक रीतिरिवाज, उनके अवचेतन पर सदैव हावी रहे हैं। काश ने भारतीयता से सदैव खुद को जोड़े रखा। हिंदू होने के नाते वे मंदिर व घर में बनाये गए पूजा स्थल को याद करते हैं। साथ ही घर के शाकाहारी व सात्विक संस्कारों का पालन करते रहे। उन्हें इस बात का मलाल रहा है कि घर में तामसिक भोजन न बनने पर वे जब भी बाहर कुछ खाते तो मां जल्दी ही उनकी चोरी पकड़ लेती थी।

उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष बीस जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। तब काश पटेल की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को विस्तार मिलेगा क्योंकि चवालीस वर्षीय काश की गिनती ट्रंप के विश्वासपात्र लोगों में होती है। अमेरिका में एफबीआई का निदेशक पद खासा महत्व व प्रतिष्ठा वाला पद माना जाता है। दरअसल काश, ट्रंप की पिछली सरकार के दौरान भी रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय सुरक्षा काउंसिल में राष्ट्रपति के उप सहायक, आतंकवाद निरोधक विभाग के वरिष्ठ निदेशक के पद पर रहते कई राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। जिसमें अलकायदा से जुड़े कई इनामी आतंकवादियों व आइसिस के मुखिया अल बगदादी के खात्मे जैसे अभियान में शामिल रहे हैं। उनके प्रयासों से कई अमेरिकी बंधकों की सुरक्षित वापसी संभव हो पायी।

इसके अलावा कई खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय बनाने तथा राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण सूचनाएं देने का दायित्व भी वे निभा चुके हैं। निश्चित ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पटेल की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण होने वाली है। इतना ही नहीं काश पटेल ने खुफिया मामलों की स्थायी चयन समिति हेतु मुख्य अधिवक्ता के तौर पर भी काम किया। उनकी गिनती सख्त व ईमानदार अधिकारियों के रूप में होती रही है। यही वजह है कि उनकी सेवाएं अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशील अभियानों में ली जाती रही हैं। जिसमें उनकी मुहिम से ऐसे कानूनों का निर्माण भी शामिल है, जो दुनिया में अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिये गोपनीय जानकारियां जुटाने तथा आतंकवाद के मुकाबले के लिये पुख्ता तंत्र बनाने में सहायक बने। दरअसल, एक अधिवक्ता के रूप में अपना कैरियर शुरू करने वाले काश ने आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण, नशे के चक्रव्यूह को तोड़ने तथा गंभीर अपराधों के निस्तारण में योगदान से अमेरिका में अपनी विशिष्ट छवि बनायी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नर्मदापुरम। सेठानीघाट पर परम्परागत रूप से प्रत्येक पूर्णिमा को होने वाली माँ नर्मदा की महाआरती आचार्य पं. घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में पंच विप्रजनों के द्वारा अगहन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर प्राचीन नर्मदा मंदिर के सामने सेठानी घाट पर सम्पन्न हुई । महा आरती में नगर के धर्म प्रेमी नागरिक शामिल रहे।

साहू समाज ने कर्मा देवी मंदिर के निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर साहू समाज द्वारा स्थानीय सामाजिक साहू धर्मशाला में मां कर्मा देवी जी के मंदिर निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधिवत किया गया। नगर साहू समाज नर्मदापुरम के द्वारा दानदाताओं के सहयोग से नर्मदापुरम क्षेत्र में पहली बार भगवान श्री कृष्णा अनन्या भक्त और साहू समाज की आराध्य देवी मां कर्मा देवी जी के मंदिर का निर्माण किया जा रहा हैं।

युवा महासचिव सेठ हिमांशु साहू ने बताया कि कार्यक्रम में नगर साहू समाज के अध्यक्ष रमेश साहू एव नगर साहू समाज से रमेश चंद साहू सीताराम साहू मुकेश साहू ओम प्रकाश साहू अशोक साहू राजेंद्र प्रसाद साहू घासीराम साहू अनिल साहू घनश्याम साहू ब्रज साहू तुलसीराम साहू शिव प्रसाद साहू रघुवीर साहू कैलाश साहू युवा अध्यक्ष मनमोहन साहू एव महिला मंडल से श्रीमती राधा साहू श्रीमती राधा सेठ श्रीमती कमलेश साहू श्रीमती राधा साहू श्रीमती संध्या साहू श्रीमती मीना साहू मौजूद रहे.

आज विधानसभा का घेराव करने भोपाल पहुंचें कांग्रेस कार्यकर्ता

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार सहित कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं की अगुवाई में आज 16 दिसम्बर को भोपाल में विधानसभा घेराव होगा। इसमें नर्मदापुरम जिले के अनेक कांग्रेसजन शामिल होंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव व प्रवक्ता राजकुमार केलू उपाध्याय ने बयान जारी करते हुए कहा कि प्रदेश की निकम्मी बीजेपी सरकार ने हर वर्ग को ठगा है दलित, आदिवासी, महिलाओं पर अत्याचार में प्रदेश नंबर एक पर पहुंच गया है। वही 2023 में भाजपा जिन वादों को लेकर जनता के बीच गई थी, उनसे वह पूरी तरह मुकरती दिखाई दे रही है। आज किसानों की दुर्दशा हो रही है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं, दलित और आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे हैं।

मात्र एक घंटे में एक ही सड़क पर चार सड़क दुघर्टनाएं

आधा दर्जन लोग घायल, तेज गति और अंधे मोड़ के होते हैं हादसे

- तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सागर जबलपुर दमोह और देवरी महाजपुर मार्ग पर हुए हादसे
- पुलिस कर रही जांच, हादसों का कारण अंधे मोड़ तेज रफ्तार वाहन और सड़क किनारे पेड़ व मवेशियों के झुंड बने वजह

विशाल रजक तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा क्षेत्र से गुजरे जबलपुर सागर स्टेट हाईवे ओर दमोह हाईवे पर आए दिन हादसे घटित हो रहे हैं इन हादसों की वजह सड़क किनारे लगे पेड़ है या फिर किसी वाहन को बचाने या फिर मवेशियों को बचाने के चक्कर में हादसे हो रहे हैं या फिर हाईवे पर अंधे मोड़ भी इन हादसों की वजह बन रहे हैं तेन्दूखेड़ा क्षेत्र में हर हफ्ते या फिर 2-3 दिन में ऐसे हादसे घटित होते हुई दिखाई दे रहे हैं लेकिन इन हादसों को रोकने के शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है रविवार को भी तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चार सड़क हादसे निकलकर सामने आए हैं जिसमें आधा दर्जन लोगों के घायल होने की खबर है जहां पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

इसी तरह एक अन्य हादसा तारादेही थाना और महाराजपुर थाना क्षेत्र की सीमा से सामने आया है जहां पर देवरी महाराजपुर मार्ग पर एक पिकअप वाहन मवेशियों को बचाने के चक्कर में सड़क से उतर गया और पेड़ से टकरा गया इस हादसे में पिकअप वाहन के चालक को मामूली चोटे बस आई है ओर सुरक्षा है वहीं वाहन भी सुरक्षित है चालक विनोद सिंह ने बताया कि वह सिलवानी से जबलपुर के कटरा गांव जा रहा था लेकिन रास्ते में अचानक से मवेशियों का झुंड सामने आ गया है जिन्हें बचाने के चक्कर में यह हादसा हो गया

दो ट्रक को बचाने के चक्कर में पेड़ से टकराया ट्रक

दूसरा हादसा : थाना क्षेत्र के खेरे ग्राम के पास एक तेज रफ्तार ट्रक सामने से आ रहे दो वाहनों को बचाने के चक्कर में पेड़ से टकरा गया है इस हादसे में भी चालक को मामूली चोटें आई हैं घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक क्र80स्न्न्ञ 3999 जो दमोह से प्लास्टिक के ब्रेकर की सामग्री लेकर रायपुर छत्तीसगढ़ जा रहा था लेकिन रास्ते में ग्राम खेरे के पास हादसे का शिकार हो गया।

इस के संबंध में ट्रक चालक बन्टी सिंह ने बताया है सामने से दो ट्रक आ रहे थे जिन्होंने बचाने के चक्कर में वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गया इस हादसे में ट्रक सामने से छतिग्रास्त हो गया है और चालक को मामूली चोटें आई हैं

मवेशियों को बचाने के चक्कर में पलटा ट्रक

तीसरा हादसरा : पाटन सीमा क्षेत्र में एक ट्रक अंधे मोड़ पर मवेशियों को बचाने के चक्कर में पलट गया है और चालक घायल हो गया है इसी तरह रविवार को भी इस मोड़ पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया है और तीन लोगों घायल हुए हैं घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक ऋछ्व 11 त्नष्ट 8673 जो राजस्थान से गाजर लेकर जबलपुर जा रहा था लेकिन तेन्दूखेड़ा पाटन सीमा क्षेत्र की अंधी मोड़ पर ट्रक चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे पलट गई हादसा इतना भीषण था कि इस हादसे में ट्रक में सवार तीन लोग घायल हो गए जिन्हें राहगीरों की मदद से बाहर निकाला गया और हादसे की सूचना पुलिस को दी गई।

कार को बचाने के चक्कर में सड़क से उतरी यात्री बस

पहला मामला तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्हौरी से सामने आया है जहां पर हटा से दमोह जबलपुर चलने वाली बजाज कंपनी की यात्री बस हादसे का शिकार हो गए गनीमत यह रही इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है बस का चालक घायल हुए हैं घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार तेंदूखेड़ा मुख्यालय से 3 किमी दूर दमोह मार्ग पर बम्हौरी चौराहे के समीप एमपी 34 पीओ 208 बजाज कंपनी की यात्री बस जैसे ही बम्हौरी ग्राम पहुंचीं उसी समय सागर तरफ से आ रही एक कार को अंधे मोड़ पर बचाने के चक्कर में सड़क छोड़कर बांसों के पेड़ों को तोड़ते हुए सड़क से उतर गई इस हादसे में बस चालक रामकुमार सोनी के सिर में चोटें आई हैं वहीं सामने से बस छतिग्रस्त हो गई है और यात्री सभी सुरक्षित है बस चालक ने बताया कि हादसा एक कार को बचाने के चक्कर में हुआ है।

पुलिस कर रही जांच

रविवार को एक घंटे के अंतराल में हुए चार सड़क हादसे की पुलिस जांच कर रही है और हादसों को रोकने की बात कह रही है वहीं वाहन चालकों को भी वाहन को तेज रफ्तार में नहीं चलाने की समझाइश दे रही है

वहीं वाहन घटनाओं मे छतिग्रस्त हुए है और उनके चालकों द्वारा घटनाओं को लेकर जो जानकारी दी गई है उनके अनुसार घटनाओ का कारण अंधे मोड़ और सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन है और जहाँ यह घटनाएं हुई है वहां पर एक भी ब्रेकर नहीं है ना ही कोई सूचना बोर्ड लगे हुए हैं

अंकुश लगाने प्रयास करुंगा

इस मामले को लेकर तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व से बात की तो उन्होंने बताया जो सड़क नेशनल हाइवे की है उनके लिए कलेक्टर के माध्यम से ब्रेकरों को बनाने के लिए पत्र भेजा जा चुका है और बाकी जो लोकल सड़क है जहाँ अंधे मोड़ और तेज रफ्तार वाहन आते है उनके विभाग के अधिकारियो से मे बात करता हूं और जितना जल्दी हो सकेगा हादसों पर अंकुश लगाने के जो भी प्रयास हो सकते है वह करने का प्रयास करूँगा।

यातायात पुलिस ने की चालानी कार्रवाई, वाहनों से जुर्माना वसूला

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम पुलिस द्वारा एसपी डॉ गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यातायात, साइबर और नशे के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा बस स्टैंड और टैक्सी स्टैंड पर चालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये लगभग 250 ट्रैक्टर ट्रालियों में आगे और पीछे रेडियम पट्टी लगाई गई। आज यातायात पुलिस द्वारा शिक्षण संस्था बंद रहने से जागरूकता अभियान थमा रहा। किंतु लगातार दूसरे दिन बिना हेलमेट वाले और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध तेज कार्यवाही की गई। यातायात के उनि दिनेश मिश्रा और उनि उईके द्वारा अधिकारियों के निर्देशन में अलग अलग स्थानों पर कार्यवाही की गई। चालानी कार्यवाही के दौरान कुल वाहनों में कमियां पाए जाने पर 94 वाहनों की चालानी कार्यवाही की गई और कुल रुपए 29,600 जुर्माना वसूल किया गया। यातायात पुलिस की अपील है कि हेलमेट जान बचाने के लिए है न कि चालान बचाने के लिए अतः कृपया हेलमेट पहन कर सुरक्षित चलें और दूसरों को भी इस के लिए प्रेरित करें।

जनशिक्षा केंद्र स्तरीय शैक्षिक संवाद

तेंदूखेड़ा। जन शिक्षा केंद्र सेलवाडा प्राथमिक शाला बंधना में आयोजित किया गया जिसमें विषय आधारित शिक्षण संवाद विषय पीयर लर्निंग शैक्षिक संवाद शुरुआत में शिक्षकों का परिचय, आदि हम शिक्षक नहीं होते तो ,क्या होते और क्यों? इसके पश्चात सभी शिक्षकों को ग्रुप में बैठाया गया सक्रियता हेतु गतिविधि ,कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर,कौन बनेगा निपुण समूह,, गतिविधि कराई गई जिसमें एफ एल एन आधारित प्रश्न सभी ग्रुपों से पूछे गए जिस ग्रुप के सबसे अधिक सही उत्तर थे उनको तिलकराम दुबरहा (सह सहजकरता टी एल एम उपहार स्वरूप भेंट किया गया जिसका सभी शिक्षकों ने ताली बजाकर स्वागत किया गया शिक्षकों में काफी उत्साह देखने को मिला उसके बाद सभी शिक्षकों से पीयर लर्निंग ग्रुप में कार्य कराए गए जन शिक्षक लाल सिंह यादव कौशल सिंह लोधी (सहजकरता) तिलकराम दुबरहा(सह सहजकरता) नरेश सिंह लोधी उपस्थित रहे।

जीनियस प्लानेट का शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

इटारसी, दोपहर मेट्रो

जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 9 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने दिल्ली, अमृतसर और बाघा-अटारी बॉर्डर का शैक्षणिक भ्रमण किया। दिल्ली में इंडिया गेट, कुतुबमीनार, राज घाट, लाल किला और विजय पथ का भ्रमण विद्यार्थियों ने किया। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के दर्शन लाभ लेकर विद्यार्थियों ने जलियांवाला बाग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जाना, पंजाब स्टेट वार हिरोस मेमोरियल एवं म्युजियम देखा जिसमें तरह तरह के युद्ध में उपयोग होने वाले हथियार देखे साथ ही सेना द्वारा उपयोग होने वाले टेंक एवं मशीन को देखा साथ ही उनकी जानकारी हासिल की।

इसके बाद स्टूडेंट्स ने 7 डी शो के माध्यम से भारतीय सैनिकों की वीरता और उनके पराक्रम को देखा। जिसके बाद विद्यार्थियों ने बाघा-अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ के जवानों की शानदार और आलौकिक परेड एवं राष्ट्रीय ध्वज को अवरोहण की प्रक्रिया को समझा। स्टूडेंट्स ने भारत के अंतिम रेल्वे स्टेशन अटारी को भी जाकर देखा। विद्यालय के निर्देशकद्वय जाफर सिद्दीकी एवं मनीता सिद्दीकी ने कहा कि इस प्रकार का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक प्रचूरता को समझने में सहायक होता है। स्कूल प्राचार्य विशाल शुक्ला ने बताया कि जल्दी ही कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया जाएगा।

केंद्रीय विद्यालय के स्थापना दिवस पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम.एसपीएम केंद्रीय विद्यालय का स्थापना दिवस उत्साह के साथ हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। कर काम को लेकर नन्हें मुन्ने बच्चों में अपार खुशी थी। नए नए परिधान और विभिन्न राज्यों की वेशभूषा में पहुंचे स्कूली बेहद आकर्षक नजर आ रहे थे। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय परिसर मिनी इंडिया जैसा लग रहा था। कार्यक्रम शुरू होते ही बच्चों ने सुमधुर गीत और नृत्य से समां बांध दिया। बच्चों ने अतिथियों का तालियों के साथ जोरदार स्वागत किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक अनुराग मिश्रा थे । प्राचार्य राजेश साहू ने मुख्यअतिथि का स्वागत किया. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन विश्व में अपनी पहचाना रखता है। यहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य करवाया जाता है तथा पाठ्य सहगामी क्रियाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जाती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुराग मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्रीय विद्यालय एक मिनी इंडिया है, यह कहावत आज यहां चरितार्थ हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यालय के छात्र छात्राओं ने राजस्थानी, गुजराती, कत्थक, तमिल, संस्कृत और पंजाबी नृत्यों से समारोह में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम मे एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में कक्षा बारहवीं अ और ब टीम के मध्य एक बास्केटबॉल मैत्री मैच का आयोजन करवाया गया जिसमें कक्षा बारहवीं बी की टीम विजेता रही। समारोह में विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अल्का और याशिका द्वारा किया गया।

मेट्रो एंकर आचार्य चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में छह मैच खेले गये

महावीर क्लब, लक्ष्य, मीनेश, वाल्मिकी, भारत और विल्स क्लब ने जीते मैच

इटारसी, दोपहर मेट्रो

आचार्य चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में छह मैच खेले गये। पहला मैच शिरोमणि नामदेव क्लब और महावीर इलेवन के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर पहले महावीर क्लब को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। महावीर क्लब ने निर्धारित 8 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर कुल 76 रन बनाये। जवाबी पारी में संत शिरोमणि नामदेव क्लब की टीम 8 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 68 रन ही बना सकी और यह मैच महावीर क्लब ने 8 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच पार्थ जैन 32 (15 गेंद) रन रहे।

द्वितीय मैच लक्ष्य क्लब और एनजीएल के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य ने 8 विकेट पर 85 रन बनाये। एनजीएल की टीम 80 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच गोलू वारसे रहे।

तीसरा मैच केकेपीएस और मीनेश क्लब के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेपीएस ने 69 रन बनाये। जवाब में मीनेश क्लब ने 70 रन बनाकर मैच जीत लिया।चौथा मैच वीर शिवाजी क्लब और वाल्मिकी क्लब के मध्य खेला गया। पांचवा मैच भारत क्लब और इंडियन टाइगर क्लब के मध्य खेला गया। भारत क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवरर्स में 70 रन बनाये। इंडियन टाइगर क्लब को पहला झटका पहली गेंद पर ही लग गया। इसके बाद टीम उबर नहीं सकी और कुल 55 बना सकी। मेन ऑफ द मैच अमित रैकवार को मिला। छटवा मैच संत रविदास क्लब और विल्स क्लब के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विल्स क्लब ने 90 रन बनाये। संत रविदास क्लब लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका और विल्स क्लब ने 34 रन के बड़े अंतर से मैच जीत लिया।

जल संसाधन विभाग की स्पर्धा में भाग लेने नर्मदापुरम से खिलाड़ियों का दल जबलपुर रवाना

नर्मदापुरम। मप्र जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब द्वारा जबलपुर में 16 से 21 दिसंबर तक 33वीं अंतर क्षेत्रीय राज्य स्तरीय खेल स्पर्धा रानी ताल खेल परिसर आयोजित हो रही है. क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब नर्मदापुरम के अध्यक्ष बशारत खान के नेतृत्व में 88 खिलाड़ियों का दल जबलपुर के लिए रवाना हुआ. खान ने बताया हरदा बैतूल छिंदवाड़ा तवा नगर नर्मदापुरम को मिलाकर टीम बनाई गई है. प्रतियोगिता में क्रिकेट कबड्डी फुटबॉल वॉलीबॉल शूटिंग बॉल शतरंज लॉन टेनिस टेबल टेनिस बैडमिंटन केरम सहित 100 एवं 200 मीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी महिलाओं एवं दिव्यागो की भी खेल होगे क्लब के संरक्षक मुख्य अभियंता राजाराम मीणा ट्रस्टी अधीक्षण यंत्री कुमकुम कोरव पटेल कार्यपालन अंकित शराफ़ प्रतिभा सिंह राजश्री कटारे विपिन बामनकर डीके सिंह प्रभारी महेंद्र उगले सचिव हेमंत अजनेरिया मेघा बंसल एन के सूर्यवंशी के आर भू मर कर विनय पांडे विजय मसाने ने विजेता होने के लिए शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता अनिल सिंह जबलपुर विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता डीएल वर्मा विशेष अतिथि मुख्यअभियंता ए के डेहरिया नोडल अधिकारी सुधीर सक्सेनाअध्यक्षता क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष मनीष मांडलिक रहेंगे . स्पर्धा में प्रदेश से लगभग 600 खिलाड़ी भाग लेंगे.

कलेक्टर के निर्देश पर पट्टे की भूमि पर कॉलोनी काटने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

क्रय विक्रय पर लगेगी रोक, डेंजर जोन में दी कॉलोनी की अनुमति!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पट्टे की जमीन पर अबैध रूप से कॉलोनियों काटकर प्लाट बेचने वालों पर अब कलेक्टर के निर्देश पर जल्दी ही बड़ी कार्रवाई हो सकती है इसकी भनक लगते ही इनमें हड़कंप मचा हुआ है प्लाट लेने वाले भी परेशान हो रहे हैं उनके नामांतरण नहीं हो रहे हैं। नोटिस के बाद पट्टे की जमीन पर अवैध रूप से कॉलोनी काटने वलों की मुश्किल ज्यादा ही बड़ी हुई है कार्रवाई से बचने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रहे हैं। लेकिन इस बार इनकी सेटिंग भी नहीं हो पाएगी क्योंकि कलेक्टर रोशन सिंह ने जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाले पट्टे ,कस्टोडियन और अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश एसडीम को दिए हैं उनके तेवर भी सख्त है, इरादा भी नेक दिखाई दे रहा है जिसको देखते हुए पहली बार जनता को न्याय मिलने की उम्मीद भी नजर आ रही है। भूमिया ने तत्काल अधिकारियों से सांठगांठ करके नियमों को ताक पर रखकर पट्टे की भूमि पर अवैध तरीके से कॉलोनी काटने मौज कर रहे थे। पहले स्थानीय प्रशासन के द्वारा नोटिस देकर खाना पूर्ति कर दी जाती इस वजह से इन पर बरसों से कार्रवाई नहीं होने का फायदा उठाकर भोली-भाली जनता को झूठे सपने दिखाकर पट्टे की जमीन पर भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों समय रहते कोई कार्रवाई नहीं हुई जबकि इन्होंने ने पट्टे की जमीन को भूमि स्वामी की कहकर प्लांट बेचने का कारनामा करके वालों पर धोखाधड़ी का भी मामला दर्ज होना चाहिए।

जल्दी ही गिर सकती है गाज

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों से लेकर पट्टे तथा कस्टोडियन की जमीन पर जिन-जिन लोगों के द्वारा कॉलोनियों विकसित की जा रही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देश दिए हैं। वही दोपहर मेट्रो द्वारा लगातार अवैध रूप से कालोनियां काटने का मामला उठाया जा रहा है जिसको कलेक्टर रोशन सिंह संज्ञान में लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं जल्दी जनता जनार्दन के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर बड़ी करवाई धरातल पर होने वाली इसकी सभी तैयारियां प्रशासन के द्वारा कर ली गई है।

महंगे दामों में दिए प्लांट नहीं हो रहा है नामांतरण

विगत 5 सालों से पट्टे की जमीन पर छह जगह अवैध रूप से कॉलोनी काटने का काम किया जा रहा है। इनमें से कई लोगों को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है इस बात का फायदा उठाकर जनता को गुमराह करके पेटक भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी काटकर लोगों को महंगे दामों पर प्लांट दे दिए कई सालों तक तो रजिस्ट्री नहीं कराई जैसे तैसे मिली भगत करके रजिस्ट्री तो करवा दी अब नामांतरण नहीं हो रहा प्लाट लेने वाले नामांतरण के लिए परेशान हो रहे हैं। शासकीय पट्टी की भूमि पर अवैध रूप कालोनियां काटने का काम किया था उसी समय प्रदेश टुडे ने अवैध रूप से पट्टे की भूमि पर कट रही कॉलोनी का मामला उठाया पर प्रशासन ने नोटिस देकर खाना पूर्ति कर दी। इस बार कलेक्टर रोशन सिंह के निर्देश पर जनता को गुमराह करके शासकीय पट्टे की भूमि पर कॉलोनी विकसित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जिसमें एफआईआर से लेकर पट्टे की जमीन को बेचने वालों पर ठोस कार्रवाई करने के लिए उक्त पट्टो की जमीन पर जितने भी लोग कॉलोनी काट रहे हैं इनके क्रय विक्रय पर भी रोक लगाई जा सकती है। दूसरी ओर इसकी जानकारी लगते ही अवैध रूप से सरकारी जमीन में कॉलोनी काटने वाले हैरान परेशान हो रहे हैं सभी तरह से हाथ पैर मार रहे हैं।

डेंजर जोन में भी कॉलोनी की दे दी अनुमति

शासन के नियमों के हिसाब से डैम के नीचे कॉलोनी काटने की अनुमति नहीं दी जा हैं। पर यहां पर इस काम को भी आसानी से अंजाम दिया गया है। डेम नीचे थोड़ी सी दूरी रॉयल सिटी कॉलोनी है इसको बैध कलोनी की अनुमति तत्कालीन अधिकारियों के द्वारा आंखें बंद करके देने का काम किया है। जब डेंजर जोन एरिया में इसकी गिनती होती इसकी अनुमतियों किस आधार पर दी गई है उसकी जांच होनी चाहिए क्योंकि जब 2011 के आसपास में कलेक्टर ने भी यहां पर कॉलोनी की अनुमति देने से मना किया था उनके आदेशक विपरीत इस काम को अंजाम दिया गया है। डेम बड़ा है थोड़ा सा भी रिसाव होने पर बड़ी जनहनि हो सकती है और यहीं पर एक बड़ा स्कूल भी संचालित हो रहा है, जिसमें हजारों बच्चों पढ़ते हैं उनकी जान से भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

इनका कहना है

भू-माफिआओं के हाथ इतने लंबे हैं कि इन पर कोई करवाई नहीं करता है सबसे बड़ा घोटाला प्रदेश का हो रहा है। सबको अपने फायदे से मतलब होता है। भू-माफिया को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है तभी तो पट्टे कस्टोडियन की भूमि से लेकर अवैध कॉलोनी काटने वालों पर कोई करवाई नहीं हो रही है। कलेक्टर जितेंद्र के बाद भी रॉयल सिटी कॉलोनी जो डेंजर जोन में है उसको अनुमति दे दी इन सब की जांच हो कलेक्टर महोदय का कम अच्छा है जनता को न्याय मिलेगा भ्रष्टाचार करने वाले जेल जाएंगे।

-**अशोक जैन खर्चा** समाजसेवी

पट्टे की भूमि पर कॉलोनी काटने वालों 6 को हमने पहले ही नोटिस दे दिए कार्रवाई प्रगति पर है, जवाब का इंतजार कर रहे हैं, इसके बाद आगे कार्रवाई करेंगे यदि रॉयल सिटी कलोनी डेंजर जोन में है तो हम उसकी जांच करवाएंगे बहुत ही संवेदनशील मामला है बच्चों से जुड़ा हुआ है कहां चूक हुई है उसको भी दिखाएंगे।

-**हर्षल चौधरी** एसडीएम

गौशाला के संवर्धन प्रबंधों हो रही बढ़ोतरी चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाने की चहुंओर प्रशंसा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले की गौशालाएं अब नये स्वरूप में दिखने लगी हैं। यह सब कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की नवाचार पहल से संभव हो रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने विदिशा जिले में चरनोई भूमि को अतिक्रमण से विमुक्त करने की कार्यवाही को अंजाम देकर गौशाला से मुक्त कराई गई भूमि को संबद्ध कर नए सूत्रपात से जन भागीदारी की पहल को बढ़ावा मिल रहा है। विदिशा जिले की शासकीय गौशालाएं अब आत्मनिर्भरता की ओर शनै शनै अग्रसर हो रही हैं।

जिले में चरनोई भूमि से सबसे पहले अतिक्रमण हटाने की सख्त कार्रवाई बिना किसी भेदभाव से एक सुत्रीय मुहिम के रूप में क्रियान्वित की जा रही हैं। अतिक्रमण हटाने के बाद मुक्त कराई गई भूमि पर पुनः और कोई कब्जा ना कर ले इसके लिए इस भूमि को क्षेत्र की गौशाला से सीधे टाइअप करने के कार्यों के साथ-साथ सुरक्षा के दृष्टि कोण से अतिक्रमण विमुक्त भूमि सहजता से जन सामान्य जान सकें इसके लिए चौतरफा तार फैंसिंग के कार्यो को मुर्तरूप दिया गया है।

ग्यारसपुर तहसील के ग्राम कंजेला में बालाजी गौ संरक्षण संस्थान द्वारा भी इस प्रकार के नवाचारों की ओर अनायास सभी का ध्यानाकर्षण हो रहा है। हो भी क्यों ना यहां गौशाला के संवर्धन संबंधी पैरामीटरों को बेहतर ढ़ंग से पूरा कराया जा रहा है। पशुओं के लिए हरे चारे की पूर्ति के लिए अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर घास उत्पादन लेना शुरू हो गया है यहा 7 बीघा में बर्शीम घास लगाई गई है। उगने वाली घास चारे के रूप में उपयोग की जा सकेगी। इसके अलावा गौशाला में घायल पशुओं के उपचार पशु-चिकित्सक द्वारा किया जा रहा है। जबकि मृत पशुओं के लिए पृथक से संस्कार स्थान सुव्यवस्थित रूप से बनाया गया है जो संभवतः अन्य गौशालाओं में देखने को नहीं मिलता है। गौशाला में उत्सर्जित प्रदार्थो के लिए भी आवश्यक प्रबंधों को सुनिश्चित किया जा रहा है।

ग्यारसपुर एसडीएम ने बताया कि कंजेला ग्राम में चरनोई भूमि रकबा 1.297 हेक्टेयर अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से तार फैंसिंग, टेन्चौ खोद कर सुरक्षित बनाए रखने के प्रबंध पूरे किए गए हैं।

यातायात पुलिस ने अलग से तेज आवाज वाले साइलेंसर लगाने वाले वाहनों पर की कार्रवाई

सिरोंज। रविवार को यातायात पुलिस ने पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे निर्देश तथा एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में शहर में विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान यातायात प्रभारी रितेश वाघेला करते हुए अधिक आवाज करके वाले 10 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए इनके वाहनों से मॉडिफाई साइलेंसर निकलवा कर जप्त करके वाहन चालक पर 12500 रु. का जुर्माना किया गया। चालक को बताया गया कि जो साइलेंसर कंपनियों के द्वारा मोटर साइकिल के साथ दिया जा रहा है उसी साइलेंसर लगाए आगे से लापरवाही मिली तो वाहनों को जप्त करेंगे। यातायात प्रभारी ने कि कोई भी अलग से साइलेंसर मोडिफाइड न लगवाए, वाहन धीमे चलाए ,सीट बेल्टद्दृ हेलमेट का उपयोग करे , सभी वाहन चालक अपनी ओर दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

जरूरतमंदों के लिए नगर पालिका की विशेष पहल

घरों की अनुपयोगी सामग्री सेंटर पर जमा कराने की सुविधा, हर रविवार को माधव उघान में लगेगा कैंप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा नगर में जरूरत मंदों की मदद के लिए स्थानीय लोग सदैव अग्रसर रहते हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में विदिशा नगर पालिका परिषद द्वारा सहयोग अभियान चलाया जा रहा है।

नगर पालिका की एई वैशाली पांडेय ने बताया कि प्रत्येक रविवार को माधव उद्यान विदिशा में सुबह 7 से 10 बजे तक कैंप लगाया जा रहा है। जिसमें नागरिक गण अपने घरों का अनुपयोगी सामान जैसे कपड़े, खिलौने, किताबे, जूते चप्पल, बैग आदि आआरआर सेंटर पर जमा कराकर जरूरतमंद व्यक्ति को लाभ पहुंचा सकते हैं।

आपकी छोटी सी कोशिश किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। इस अभियान में हमारे साथ जुड़कर इसे सफल बनाएं का अहवान विदिशा नगरपालिका अधिकारी दुर्गेश सिंह ने करते हुए कोशिश हमारी, साथ आपका को सफल बनाने में हर स्तर पर सहयोग की प्रत्याशा में विदिशा नगरपालिका।

समय रहते ध्यान दें सीसीएफ और डीएफओ साहब, गुना के पनहेटी जैसा कांड न हो जाए

विदिशा के रानीधार में हरे भरे जंगल वन अमले से करें पुकार, हमें बचाओ मध्यप्रदेश सरकार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लटेरी क्षेत्र में वर्तमान समय में जितने लड़ाई झगड़े ग्रामीण इलाकों में हो रहे है बह लड़ाई झगड़े वन अमले की संलिप्ता के कारण हो रहे है, वन अमले की मिलीभगत से भू माफिआओं द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। वन अमला अगर समय रहते कार्यवाही करता रहे तो ग्रामीण क्षेत्रों में लड़ाई झगड़े की नौबत नहीं आएगी। लेकिन वन विभाग के आला अधिकारियों को तमाम सूचनाएं होने के बाद भी कार्यवाही नहीं की जाती है, परिणाम स्वरूप गुना के पनहैटी ग्राम का उदाहरण हमारे सामने है। हम प्रशासन को चेतावनी नहीं आने वाले खतरे से आगाह कर रहे है।

वन भू माफिआओं के हौसले इतने बुलंद है कि वह कुछ भी कर गुजरने से नहीं चूक रहे है। इसकी बानगी प्रशासन गुना जिले के पन्हेटी ग्राम में देख चुका है। ऐसी की कंडीशन लटेरी की दक्षिण रेंज के कंपाउंडमेट नंबर 327 रानीधार में निर्मित हो रही है, कंपाउंडमेट नंबर 327 के भू माफिया आम लोगों की जान लेने पर उतारू है। इन भू माफिआओं द्वारा फॉरेस्ट की जमीन के साथ साथ लोगों की निजी जमीनी पर भी कब्जा किया जा रहा है, इसकी जानकारी होने के बाद भी प्रशासन मौन साधे बैठा हुआ है , इससे स्पष्ट जाहिर है कि प्रशासन भी किसी गंभीर घटना का इंतजार कर रहा है।

पेड़ काटने से लेकर जमीन आवाद करने के वन अमले के रेट है तय

ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक के रेट फिक्स है। जितनी अपनी जेब में दम है आप उतनी जमीन पर अतिक्रमण कर सकते हो। इसी तरह कई वर्षों से वनों की अवैध कटाई बा दस्तूर जारी है कि थोड़े से लालच में आकर वन अमला जंगलों की कटाई को मनमाने ढंग से करा रहा है, और जिन पौधों से हमें भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन के साथ अन्य कई खनिज संपदा प्राप्त होती है, वह जंगल अपने हालात पर आंसू बहा रहे हैं। चार वर्षों से पहले जहां पर बड़ी मात्रा में पेड़ पौधों का घना जंगल हुआ करता था आज बो क्षेत्र मैदानों में तब्दील हो गए हैं। अवैध अतिक्रमणों में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिली भगत खुलेआम दिखाई दे रही है, क्योंकि जहां-जहां नए अतिक्रमण हो रहे हैं बह सब वन अमले की सांठ गांठ के बिना संभव नहीं है।

धीरे धीरे खेतों में तब्दील हो रहा बचा हुआ शेष जंगल

लटेरी के जंगल मध्य प्रदेश को छोड़ पूरे भारत में प्रसिद्ध थे,यहां के सागौन की लकड़ी की मांग दूर दूर तक थी, लेकिन अब वो सागौन देखने को भी नहीं मिल पा रही है। जिस जंगल में हजारों जंगली जानवर अपना बसेरा किया करते थे पिछले दस बारह वर्षों में उन जंगलों के लगभग 70ः हिस्से पर कब्जा हो गया है, और बचे हुए जंगल को भी निरंतर कुल्हाड़ी की मार से काटा जा रहा है। यदि इसी तरह से अतिक्रमण और अवैध कटाई होती रही तो मानो कुछ ही वर्षों में जंगल का नाम ही खत्म हो जाएगा। इस कार्य में जितने वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तो दोषी है ही साथ ही अतिक्रमणकारियों एवं अवैध लकड़ी के कारोबारी भी इसमें अपना भरपूर योगदान देकर जंगल को नष्ट कर रहे हैं।

लटेरी क्षेत्र से पेड़ों की निरंतर कटाई जारी

वन परिक्षेत्र दक्षिण लटेरी के कंपाउंड मेट 327 में कीमती लकड़ी की अवैध कटाई की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोग पैसे की लालच में कीमती पेड़ों को काट रहे हैं। जंगल में कई औषधीययुक्त कीमती पेड़ हैं, उसे भी नहीं छोड़ रहे है। कंपाउंडमेट नंबर 327 के अंतर्गत काफी जंगल हैं।

आए दिन जंगलों से कई वाहन लकड़ी बाहर भी भेजी जा रही है

ग्रामीण इलाकों में हरे-भरे पेड़ो की अवैध रूप से कटाई की जा रही है। जिससे पर्यावरण संकट बढ़ रहा है। वन माफिआओं द्वारा कीमती पेड़ों की कटाई कर जंगलों को वृक्षविहीन बनाने का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। पेड़ों की अवैध कटाई से आने वाले दिनों में प्रदूषण बढने की आशंका बढ़ती जा रही है। पेड़ों की अवैध कटाई कर कई लोग मालामाल हो रहे हैं। वहीं, प्रकृति से हरियाली घटती जा रही है। वन विभाग की लापरवाही के कारण जंगलों का उजाड़ किया जा रहा है। कई जगहों पर कीमती पेड़ सागौन की अंधाधुंध कटाई की जा रही है और औने पौने दाम में बेची जा रही है। पेड़ लगाने के नाम पर सरकार हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च करती है ताकि पर्यावरण में अनुकूलता बनी रही।

इनका कहना है

मेरे द्वारा जांच दल को भेजा गया है अभी जांच रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

-**विजय कुमार सोडा** डीएफओ विदिशा

मेट्रो एंकर विधायक हरिसिंह सप्रे ने सिरोंज जनपद पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का किया भूमि पूजन

2 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बनेंगे 5 नए उप स्वास्थ्य केंद्र भवन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

रविवार को क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह सप्रे ने सिरोंज जनपद पंचायत के अंतर्गत पांच उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम क्षेत्र के सुल्तानपुर में ग्रामीणों को नए उप स्वास्थ्य केंद्र भवन की सौगात दी तो वहीं इसके बाद राजपुर , दीपनाखेड़ा, गोपाल नगर, देहरी जागीर में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण का भूमि पूजन किया।

प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में 55 लाख रुपए खर्च होंगे। इसी तरह पांच उप स्वास्थ्य केंद्र के भवनों में दो करोड़ 75 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इस मौके पर विधायक श्री सप्रे ने कहा कि इन स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण से कुरवाई विधानसभा के ग्रामीणों को आसानी से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार विकास हो रहा है और सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र खोले जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीबों को निःशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान कर रही है। साथ ही उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, लाड़ली बहना, लाडली लक्ष्मी, और निशुल्क राशन वितरण जैसी अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास जिला सभापति प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, बीएमओ विकाश सिंह वघेल, नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, शैलेंद्र पालीवाल, शिवराज सिंह, मोहित रघुवंशी, सरपंच प्रतिनिधि लेखराज सिंह पाल, सुरजन यादव, रघुनाथ सिंह लोधी एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण जन मौजूद रहे।

शतरंज का चमकता सितारा: भारतीय खिलाड़ी के विश्व चैंपियन बनने के पीछे की कहानी, कई दिग्गजों ने निभाई अहम भूमिका

ऐतिहासिक जीत में बने गुकेश के 'सारथी'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 18 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने पर पूरा देश जश्न मना रहा है। चीन के अनुभवी खिलाड़ी डिंग लिरेन को 14 बाजियों तक चले कड़े मुकाबले में हराना आसान नहीं था, पर गुकेश ने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से इतिहास रच दिया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुकेश की इस स्वर्णिम सफलता में कई दिग्गजों का योगदान भी है। इन दिग्गजों ने पिछले कई महीनों से विश्व चैंपियनशिप के लिए गुकेश को तैयार करना शुरू कर दिया था। इन्होंने पर्दे के पीछे रहकर लिरेन के खिलाफ रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई और गत चैंपियन चीनी खिलाड़ी को मात देने के लिए जाल बिछाया।

गुकेश को हर चाल में माहिर बनाया: पांच-छह साल से आनंद के मार्गदर्शन में गुकेश की प्रतिभा निखरी है। आनंद ने अपने अनुभव से उन्हें हर चाल में माहिर बनाया। इसी कारण गुकेश, आनंद को अपना गुरु भी मानते हैं। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को भारतीय शतरंज का पितामह माना जाता है। 55 वर्षीय आनंद ने शतरंज की भावी पीढ़ी को आगे ले जाने के लिए चेन्नई में एक विश्व स्तरीय एकेडमी खोली, जिसका नाम वेस्टब्रिज है। इसी एकेडमी में गुकेश के अलावा आर प्रग्गनानंदा, उनकी बहन वैशाली, अर्जुन एरीगेसी जैसे कई युवा खिलाड़ियों ने शतरंज के गुर सीखे। गुकेश की सफलता ने युवा पीढ़ी को सीख दी है कि कैसे जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। गुकेश से सीख लेकर युवा कठिनाइयों से पार पाकर सफलता हासिल कर सकते हैं। सिर्फ लक्ष्य पर फोकस कुछ बड़ा हासिल करने के लिए इंसान को लक्ष्य पर फोकस रहना जरूरी है। गुकेश सिर्फ शतरंज पर ध्यान देते हैं और यही उनका पहला प्यार है, अपना ध्यान नहीं भटकने देते।

'मानसिक तौर पर बनाया मजबूत': गुकेश की सफलता में मेंटल एंड कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन की खास भूमिका रही। लंबे अरसे से भारतीय खेलों से जुड़े अप्टन ने गुकेश को मानसिक व शारीरिक तौर पर मजबूत बनाया और कठिन परिस्थितियों में दिमाग को शांत रखने की कला सिखाई। पैडी ने कहा, गुकेश अपनी हर चाल को लेकर आत्मविश्वास से भरे थे।

माता-पिता को सीख, बच्चों के हुनर को समझें...: गुकेश की सफलता में उनके माता-पिता का भी अहम योगदान है। सिर्फ सात साल की उम्र में गुकेश ने शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं लेकिन उन्होंने कभी अपने बेटे को अपने जैसा बनने के लिए नहीं कहा।

शतरंज का नया बादशाह

58 चालों में चीन को मात

पेरिस में सिल्वर मेडल जीता, टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड अपने नाम किया था

नीरज की ओलिंपिक जर्सी वर्ल्ड हेरिटेज कलेक्शन में शामिल

मेलबर्न, एजेंसी

भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा की पेरिस ओलिंपिक वाली जर्सी वर्ल्ड एथलेटिक्स हेरिटेज कलेक्शन में शामिल की गई है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज ने अगस्त में खत्म हुए पेरिस ओलिंपिक गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। उन्होंने 89.45 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो किया था। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था। नीरज ने 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय नीरज लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। नीरज से पहले रेसलर सुशील कुमार और बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीते थे।

2 ओलिंपिक मेडल जीतने वाले चौथे खिलाड़ी नीरज भारतीय इतिहास में नीरज चोपड़ा 2 ओलिंपिक मेडल जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले रेसलिंग में सुशील कुमार, बैडमिंटन में पीवी सिंधु और शूटिंग में मनु भाकर भी दो ओलिंपिक मेडल जीत चुकी हैं। इनमें से नीरज चोपड़ा, सुशील कुमार और पीवी सिंधु ने लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में ये मेडल जीते। वहीं मनु भाकर ने इसी पेरिस ओलिंपिक में शूटिंग में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल बुडापेस्ट में में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था।इससे पहले, 2022 यूजीन में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। ओलिंपिक डेब्यू पर गोल्ड जीतकर इतिहास रचा जूनियर और सीनियर सर्किट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद नीरज ने टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया। पहले ही ओलिंपिक में उन्होंने 87.58 मीटर का जेवलिन थ्रो फेंका और गोल्ड मेडल जीत लिया। 2022 के वर्ल्ड फाइनल में सिल्वर और 2023 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी दौरान स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने 89.94 मीटर थ्रो फेंका और नेशनल रिकॉर्ड बनाया, यह नीरज का भी पर्सनल बेस्ट रहा।

मेट्रो बाजार

ईपीएफओ से जुड़े नए लोगों में 2.81 लाख महिलाएं भी

नईदिल्ली, एजेंसी

जून में लगातार तीसरे महीने नई फॉर्मल नौकरियों यानी सरकार के रेगुलेशन के तहत चलने वाली संस्थानों की नौकरियों में बढ़ोतरी हुई है। यह नंबर 9 महीनों के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया है। ईपीएफओ ने अपने लेटेस्ट पेरोल डेटा में इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वहीं, कुल 17.89 लाख लोग ईपीएफओ से जुड़े है। 18 से 28 साल उम्र के करीब 6.88 लाख लोग ईपीएफओ के साथ जुड़े, जो टोटल सब्सक्रिप्शन का करीब 68 प्रतिशत है

इंडस्ट्री के लेवल पर देखें तो ट्रेडिंग-कमर्शियल सेक्टर में सबसे ज्यादा लोग जुड़े। इसके बाद बिल्डिंग-कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और जनरल इंजीनियरिंग प्रोडक्ट बनाने वाले सेक्टर्स में सबसे ज्यादा नए लोग जुड़े। इसके अलावा स्कूल, हॉस्पिटल, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, टेक्सटाइल्स जैसे सेक्टर में भी ज्यादा संख्या में जड़े हैं। इसका मतलब यह है कि इन सेक्टरों ने जून 2023 के दौरान सबसे ज्यादा नई नौकरियां दी हैं।

12.65 लाख लोगों ने रिज़ॉइन किया ईपीएफओ: पेरोल डेटा के अनुसार, ईपीएफओ से बाहर निकल गए 12.65 लाख लोगों ने फिर से इसे जॉइन किया है। यानी इतने लोगों ने जॉब स्विच, रिजॉइनिंग जैसे कारणों से अपना अकाउंट फंक्शनल नहीं रखा था। लेकिन जून में उन्होंने इसे फिर से चालू करा लिया। ईपीएफओ भारत सरकार की एक कर्मचारी सुरक्षा संगठन है। यह देश के ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर में काम कर रहे लोगों के प्रोविडेंट फंड यानी ईपीएफओ, पेंशन अकाउंट जैसे फाइनेंशियल सिक्योरिटी का मैनेजमेंट करता है। क्लाइंट्स और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के लिहाज से ईपीएफओ दुनिया का सबसे बड़ा सोशल सिक्योरिटी ऑर्गेनाइजेशन है। 2021-22 की रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल इसमें 28 लाख से ज्यादा लोग जुड़े हैं।

भारतीय मार्केट में जगह बनाना चाहती है कंपनी पोर्शे

नईदिल्ली, एजेंसी। जर्मन कार मेकर कंपनी पोर्शे जल्द ही भारत में अपनी कारों को असेंबल करने के लिए प्लांट लगा सकती है। इसके लिए कंपनी के दो अधिकारी भारत आए हुए हैं। वे जल्द ही नीति आयोग और दूसरे अधिकरियों से मुलाकात करेंगे। कंपनी ने यह फैसला केयेन को मिल रहे रिस्पॉन्स को देखते हुए लिया है। प्रोर्शे ने केयेन और केयेन कूप का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया था। पोर्शे के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में अपनी जगह बनाना चाहती है। इसलिए वे कार को सीधे इंपोर्ट करने के बजाए असेंबल करने के बारे में सोच रहे हैं। इससे की असेंबलिंग भारत में करने से टैक्स बेनिफिट्स मिलेंगे।

अंडर-19 महिला एशिया कप-पाक को दी मात

सोनम-कमलिनी से भारत का विजयी आगाज

कुआलालंपुर . एजेंसी

सोनम यादव की शानदार गेंदबाजी के बाद और जी कमलिनी (नाबाद 44 रन) की तूफानी पारी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अंडर-19 एशिया कप में विजयी आगाज किया। भारतीय टीम ने ग्रुप-ए के अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को नौ विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की अंडर-19 महिला टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 67 रन का मामूली स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम ने 7.5 ओवर में एक विकेट पर 68 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। भारत की ओर से सोनम यादव ने छह रन देकर चार विकेट चटकाए, वहीं वीजे जोशिता, प्रणिका सिसोदिया और मिथिला विनोद ने 1-1 विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की ओर से सर्वाधिक 24 रन ओपनर कोमल खान ने बनाए।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली मुंबई टीम ने फाइनल में 5 विकेट से दर्ज की जीत

मध्यप्रदेश को हराकर मुंबई दूसरी बार बना चैंपियन

बेंगलूरु. एजेंसी

स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई ने रविवार को यहां मध्यप्रदेश को हराकर दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में मध्यप्रदेश ने कप्तान रजत पाटीदार के नाबाद 81 रन के योगदान से 20 ओवर में 8 विकेट पर 174 रन बनाए थे। जवाब में श्रेयस अय्यर की अगुवाई में मुंबई ने 17.5 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाकर खिताब जीत लिया। मुंबई के सूर्यांश शेडगे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। मुंबई के सूर्यांश शेडगे 15 गेंदों में 3 चौके व 3 छक्के लगा नाबाद 36 रन बनाए, जबकि एक विकेट भी लिया। मुंबई के लिए अजिंक्य रहाणे ने 37 और सूर्यकुमार यादव ने 48 रन का योगदान किया। रहाणे 469 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

फिल्में रिलीज नहीं हुईं, लोग पर्सनल लाइफ पर ज्यादा ध्यान दे रहे-अनन्या

सा अपने फ्यूचर हसबैंड की क्वालिटीज के बारे में बात करते हुए अनन्या ने बताया कि वह कैसे पार्टनर की उम्मीद करती हैं। अनन्या ने कहा- मेरे पार्टनर को मेरे पिता की तरह दयालु, प्यार करने वाला और मजाकिया होना चाहिए। मेरे लिए यही क्वालिटीज सबसे बेस्ट हैं। मेरे पिता मेरे लिए सबसे अच्छे इंसान हैं, ऐसे में मेरे पार्टनर को भी बिल्कुल उन्हीं के जैसा बनना होगा।' बातचीत के दौरान अनन्या ने आगे कहा कि पिछले कुछ समय से उनकी कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है। इस कारण लोग उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। अनन्या ने कहा कि उम्मीद है कि अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के जरिए वह अपनी ऑनस्क्रीन प्रेजेंस को बदल सकेंगी। दर्शकों को उनका काम पसंद आएगा। अनन्या के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही फरहान अख्तर की फिल्म 'खो गए हम कहां और विक्रमादित्य मोटवानी की साइबर थ्रिलर कंट्रोल में नजर आएंगी। आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अनन्या इन दिनों एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप की खबरों को लेकर बेहद सुर्खियों में हैं। वहीं अब ड्रीम गर्ल 2 के प्रमोशन के दौरान मीडिया को दिए इंटरव्यू में अनन्या ने अपने लाइफ पार्टनर को लेकर कई क्वालिटीज बताई हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें अपने फ्यूचर हसबैंड के अंदर ये सारी खूबियां चाहिए। अनन्या से सवाल किया गया कि एक्ट्रेस के पिता चंकी पांडे उनके लिए कैसा पति चाहते हैं? जवाब में अनन्या ने मजाकिया अंदाज में कहा- मुझे लगता है कि मेरे पिता ने मेरे लिए आइडल हसबैंड चुनने के लिए बहुत सारे पैमाने रखे हैं।

सैयामी का सचिन से मिलने का सपना सच हुआ

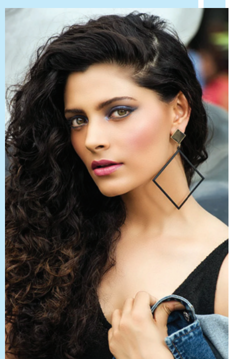

हाल ही में घूमर फेम एक्ट्रेस सैयामी खेर, सचिन तेंदुलकर से मिलीं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को अपनी स्पिन बॉलिंग स्किल भी दिखाई। इससे जु?ा वीडियो सैयामी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सचिन तेंदुलकर सैयामी की बॉलिंग की तारीफ करते हुए कह रहे हैं कि उन्होंने कभी भी ऐसी गेंद नहीं खेली है। वहीं, सैयामी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन सचिन से मिलने का उनका बचपन का सपना सच हो जाएगा। वीडियो में सचिन कह रहे हैं कि उन्होंने सैयामी की फिल्म घूमर देखी है और ये फिल्म उन्हें काफी पसंद भी आई। इसके बाद सचिन ने कहा कि क्या सैयामी इस पिच पर भी बॉलिंग करके दिखा सकती हैं। इस पर सैयामी कहती हैं- हां, मैंने पहले फिल्म के लिए ऐसी प्रैक्टिस की है लेकिन अभी आप सामने खड़े हैं तो मैं थोड़ा प्रेशर महसूस कर रही हूं। इसके बाद सैयामी कूकाबुरा क्रिकेट बॉल लेकर खड़ी हो जाती हैं। इस पर सचिन कहते हैं कि नहीं, ये बॉल वापस दे दो, तुम सब कुछ तोड़ दोगी और उनके हाथ में टेनिस बॉल देते हैं। फिर सैयामी टेनिस बॉल के साथ बॉलिंग करती हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए सैयामी ने लिखा है- मैंने बचपन से सचिन तेंदुलकर से मिलने का सपना देखा है। मेरा ये सपना सच हुआ है।

करण बोले- लोग थिएटर में कम्युनिटी एक्सपीरियंस के लिए आ रहे हैं....

करण जौहर ने कहा- अब ये बदलाव आ गया है कि घर पर ओटीटी पर कंटेंट देखने वाली ऑडियंस भी थिएटर में एक कम्युनिटी के तौर पर फिल्म देखने का एक्सपीरियंस मिस कर रही है। आप पठान, गदर-2, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्में देख लीजिए, लोग एक-दूसरे के साथ थिएटर में बैठकर फिल्म देखने, हंसने-रोने जैसे सभी इमोशंस एंजॉय कर रहे हैं। मैं ये नहीं कहूंगा कि ओटीटी के कंटेंट में कोई बदलाव आया है।

गदर-2 ने थिएटर में जान डाल दी

सिंगल-स्क्रीन थिएटर्स में गदर-2 के साथ हुई लोगों की वापसी पर करण जौहर ने कहा- गदर ने 2001 में भी कमाल किया था और अब एक बार फिर 2023 में भी गदर-2 ने सबके होश उड़ा दिए हैं। सिंगल स्क्रीन थिएटर्स में भी लोग फिल्म देखने आ रहे हैं।

कोविड के दौरान सिनेमा और थिएटर्स एक बुरे दौर से गुजर रहे थे लेकिन उन्हें पूरा यकीन था कि ऑडियंस थिएटर की तरफ वापस जरूर आएगी। करण जौहर ने कहा- मुझे कभी नहीं लगा कि बॉलीवुड में या बॉलीवुड के कंटेंट में कोई प्रॉब्लम है।

ओटीटी राइटर्स के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म है

करण जौहर ने थिएटर्स और ओटीटी दोनों प्लेटफॉर्म्स पर बात की और कहा कि एक मीडियम दूसरे को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा- जब ओटीटी पहली बार हमारे बीच आया तो लोगों ने कहा कि ये मीडियम सिनेमा को खत्म कर देगा, लोग थिएटर्स जाना छोड़ देंगे। मैं ऐसा नहीं मानता। मेरा मानना है कि दोनों मीडियम एक-दूसरे को आगे बड़ा रहे हैं। करण जौहर ने कहा- मुझे लगता है स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म राइटर्स के लिए बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। सिनेमा में ये राइटर्स ही हमारी मदद करते हैं। सीरीज का फॉर्मेट फिल्मों के फॉर्मेट से बहुत अलग होता है। सीरीज में हम कैरेक्टर्स पर ज्यादा काम करते हैं। सीरीज में हमारे पास 8 एपिसोड जितना लंबा स्क्रीन-टाइम होता है। ये देखने में भी अच्छा लगता है, कहानी समझ में आती है। हाल ही में करण जौहर ने सनी देओल की फिल्म गदर 2 की सक्सेस पर खुशी जाहिर की। गदर-2 अब तक देश में 388 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है।

फर्जी दस्तावेजों से ट्रक बेचने वाले गिरोह का खुलासा, बदलते थे इंजन और चेसिस नंबर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रायसेन जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने ट्रक धोखाधड़ी और कूटरचना के मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस प्रकरण में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक रायसेन के निर्देशन में गठित तीन विशेष टीमों ने इस जटिल मामले की गहन विवेचना करते हुए अब तक दो ट्रकों को जब्त किया है, जबकि अन्य ट्रक और आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई है।

पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दमोह निवासी फरियादी दिए गए आवेदन में बताया था कि उनके स्वामित्व के ट्रक को दो व्यक्तियों ने विवाद कर कब्जे में ले लिया है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू की और एक व्यक्ति को बुलाया, जिसने ट्रक को

3 आरोपी गिरफ्तार, दो ट्रक बरामद

थाने में प्रस्तुत किया और दावा किया कि यह ट्रक उसके स्वामित्व का है।

तकनीकी जांच के दौरान एक व्यक्ति द्वारा इस ट्रक को किसी अन्य व्यक्ति को बेचे जाने की जानकारी मिली। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह ट्रक दो व्यक्तियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके मेमोरेंडम के आधार पर ट्रक को जप्त किया गया। गिरोह के तरीके का हुआ खुलासा आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो बताया कि उसने और उसके

साथी ने मिलकर कई ट्रकों पर फर्जी नंबर प्लेट और चेचिस नंबर लगवाए हैं। मंडीदीप से बरामद कर ट्रक की जांच में उसके इंजन और चेचिस नंबर भी अलग पाए गए। गिरोह के सदस्य फर्जी नंबर टंकित करने के लिए अपनी मशीनों का इस्तेमाल करते थे। इस प्रकार काम करता था गिरोह पूछताछ में सामने आया कि गिरोह फर्जी एनओसी तैयार करता था और पुराने ट्रकों पर नए नंबर लगाकर उन्हें नए वाहनों के रूप में बेच देता था। गिरोह के सदस्य उत्तर-पूर्वी राज्यों से ट्रक खरीदकर उनके दस्तावेजों को बदलते और भोपाल आरटीओ में पंजीकृत कराते थे। इन ट्रकों को बिचौलियों के माध्यम से बेचा जाता था। अन्य ट्रकों की तलाश जारी अब तक की कार्रवाई में दो ट्रकों की जप्ती की जा चुकी है। अन्य दो ट्रक की तलाश जारी है। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। झांसी निवासी एक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी रंजीत सराठे के नेतृत्व में टीम को रवाना किया गया है।

छुरी लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने एक युवक को छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की रात करीब आठ बजे सूचना मिली कि जवाहर चौक पुलिस चौकी के पास एक युवक छुरी लेकर घूम रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदेही युवक ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास अवैध रूप से रखी एक छुरी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अयान अली उर्फ अन्ना (20) प्रताप नगर पार्क के पास थाना श्यामला हिल्स बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बैरसिया स्थित भूरी पठार जोड़ पर दर्दनाक हादसा, कार पलटी

बाइक को कार ने मारी टक्कर नाबालिग समेत 3 की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित भूरी पठार जोड़ पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार नाबालिग समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद तेज रफ्तार कार भी पलट गई थी। कार में सवार ड्राइवर समेत सभी लोग फरार हैं। हादसे के समय नाबालिग समेत तीनों मृतक गांव सगौनी गुनगा से शमशाबाद, बारात में जाने के लिए निकले थे, तभी भूरी पठार पर यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। आज पीएम के बाद तीनों के शव परिजन को सौंप दिए गए।

पुलिस के अनुसार सोम कुशवाह पिता प्रेम सिंह कुशवाह ('18) गांव सगौनी थाना गुनगा, नीतेश कुशवाह पिता अमान सिंह कुशवाह (22) गांव सगौनी थाना गुनगा और नीरज केवट पिता कल्याण केवट (12) निवासी गांव सगौनी थाना गुनगा क्षेत्र में रहते थे। रविवार शाम तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर शमशाबाद जाने के लिए निकले थे। शमशाबाद में किसी परिचित की शादी थी और वहां बारात जानी थी। सोम और नीतेश रिश्तेदार हैं, जबकि नीरज उनका पड़ोसी है। तीनों बाइक से बैरसिया तक पहुंच गए थे।

हादसे के बाद कार ड्राइवर फरार

शाम करीब साढ़े छह बजे हुए इस हादसे के समय कार में तीन से चार लोग मौजूद थे। हादसे के बाद कार में सवार सभी लोग मौके से भाग निकले। अनुमान है?कि कार पलटन से कार में सवार लोगों को भी चोट आई? होगी। पुलिस ने आसपास के अस्पतालों में पता किया, लेकिन किसी भी अस्पताल में घायल नहीं मिले। पुलिस अल्टो कार के नंबर के आधार पर उसमें मौजूद लोगों का पता लगा रही है।

यहां के भूरी पठार जोड़ पर पहुंचते ही शाम करीब साढ़े 6 बजे के आसपास शमशाबाद की तरफ से आ रह अल्टो कार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए, जबकि बाइक पर बैठी नाबालिग समेत तीनों लोग बीस मीटर के दायरे में गिरे थे। उन्हें राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया पहुंचाया। वहां नीरज केवट को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि सोम और नीतेश को निजी अस्पताल रेफर किया गया था। वहां सोम कुशवाह और नीतेश की भी देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई।

धक्का देने से गई बुजुर्ग की जान, युवक पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव माहोली में एक बुजुर्ग व्यक्ति की संदिग्ध हालत में हुई मौत के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान मृतक के परिजना ने बताया कि आरोपी युवक ने बुजुर्ग के साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें धक्का दिया था, जिससे बाद गिरने से उनकी मौत हो गई थी। थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि रामप्रसाद विश्वकर्मा (80) ग्राम महोली थाना गुनगा में रहते थे और खेती किसानी करते थे। घर के पीछे ही उनकी कुछ जमीन है। इसी जमीन से लगी हुई उसी गांव में रहने वाले गुर्जर परिवार की जमीन है। जमीन को लेकर दोनों परिवारों में कुछ विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह इसी बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हो रही थी। रामप्रसाद ने कुछ बोलना चाहा तो गुर्जर परिवार के एक युवक सोनू गुर्जर ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे रामप्रसाद जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए। परिजन उन्हें इलाज के लिए बैरसिया स्थित शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने धक्का देने वाले आरोपी सोनू गुर्जर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

बदमाश ने गौतम नगर में पुलिसकर्मियों से की झूमाझटकी

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित बैरसिया रोड पर देर रात चाय की दुकान बंद कराने पहुंचे आरक्षक के साथ चाय की दुकान के संचालक ने गाली-गलौज करते हुए झूमाझटकी कर दी। वह कहने लगा कि तुम जानते नहीं हो मेरा नाम बबलू है और इलाके का बड़ा बदमाश रह चुका हूं। अभी बदमाशी छोड़कर व्यापार करने लगा हूं। थाना पुलिस ने आरक्षक की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और झूमाझटकी करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के मुताबिक गौतम नगर थाने में पदस्थ आरक्षक आकाश चौहान व लोकेन्द्र सिंह की शनिवार को चार्ली में ड्यूटी थी। वे इलाके के भ्रमण पर निकले। इस दौरान बैरसिया रोड पर उन्हें चाय की दुकान नजर आई। दुकान पर भीड़ इकट्ठा हो रही थी। आरखक आकाश ने दुकान संचालक बबलू उर्फ गुलफाम को दुकान बंद करने के लिए कहा। इस पर गुलफाम ने दुकान बंद करने से मना कर दिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने कहा कि मैं पुराना बदमाश हूं। बदमाशी छोड़कर काम-धंधा करने लगा हूं, लेकिन बदमाशी अब भी नहीं भूला हूं। इतना कहकर गुलफाम ने सिपाहियों के साथ झूमाझटकी शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर पुलिसकर्मी बबलू उर्फ गुलफाम को थाने लेकर आ गए। पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 132, 221 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी बबलू उर्फ गुलफाम पर चोरी, लूट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत कुल 18 अपराध दर्ज है।

होटल संचालक के साथ बदसलूकी

भोपाल। हनुमानगंज थानांतर्गत घोड़ा नक्कास स्थित एक होटल संचालक के साथ अज्ञात युवक ने बदसलूकी कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक विजय जैन (40) शांति नगर सिंधी कालोनी में रहते हैं और घोड़ा नक्कास इलाके में होटल चलाते हैं। पिछले दिनों रात करीब पौने दस बजे उनकी होटल पर एक अज्ञात युवक पहुंचा और कर्मचारी संदीप के साथ बदसलूकी करते हुए झूमाझटकी करने लगा। विजय ने उसे समझाने का प्रयास किया तो वह उनके साथ भी गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। बाद में विजय ने थाने जाकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

ई रिक्शा सवार युवती के हाथ मोबाइल झपटकर भागे बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सहकारी परिसर के सामने रविवार दोपहर ई रिक्शा सवार युवती के हाथ बाइक सवार युवकों ने मोबाइल झपट लिया। झपटे गए मोबाइल की कीमत 24 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अनुष्का जैन पिता मुकेश जैन (18) विशाल हाइट, अयोध्या बायपास पर रहती है और निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। रविवार दोपहर ई रिक्शा से वह अपने दोस्त से मिलने के लिए जा रही थी। वह ई रिक्शा में साइड वाली सीट पर बैठी हुई थी और उसके हाथ में मोबाइल रखा हुआ था। सहकारी परिसर के पास पहुंचते ही ई रिक्शे के पीछे से बाइक पर आए दो युवकों में पीछे बैठे युवक ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। उसने शोर मचाया और ई रिक्शा चालक ने रिक्शा तेजी से चलाकर युवकों की बाइक का पीछा किया, लेकिन वह तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। अनुष्का ने घटना की शिकयत तत्काल पुलिस को दी थी। पुलिस का कहना है कि अनुष्का और ई रिक्शा चालक बाइक का नंबर नहीं दे सके हैं।

शराब के लिए रुपए नहीं देने पर छुरी से हमला

भोपाल। टीटी नगर स्थित नर्मदा भवन के सामने एक बदमाश ने बाइक सवार स्कूली छात्र को रोका और शराब पीने के लिए पांच सौ रुपयों की मांग की। छात्र ने जब रुपये देने से इंकार किया तो उसने छुरी से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, अड़ीबाजी और चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक रोहित मेवाड़ा (18) बिलकिसगंज, झागरिया जिला सीहोर का रहने वाला है और बारहवीं कक्षा में पढ़ता है। शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपने दोस्त दीपक मेवाड़ा के साथ बाइक से सात नंबर से लिंक रोड नंबर दो होकर अपने गांव झागरिया जा रहा था। नर्मदा भवन के पास पहुंचने पर एक युवक ने उसे रोक लिया और अड़ीबाजी करते हुए शराब पीने के लिए पांच सौ रुपये मांगने लगा। रोहित ने रुपये देने से इंकार किया तो वह छुरी निकालकर मारने लगा। रोहित ने छुरी का वार रोका तो वह दाहिने हाथ की गदेली में लग गई, जिससे खून निकलने लगा। हमला करने के बाद आरोपी ने अपना नाम सोनू राठौर उर्फ बंजारा बताया था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

दुकानदार पर चाकू और तलवार से हमला

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मी कांप्लेक्स में रविवार रात बदमाशों ने दुकानदार पर चाकू और तलवार से हमला कर दिया। हमले की वजह पुरानी रंजिश और रुपए के लेनदेन की बात सामने आईहै। पुलिस ने उक्त मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार आकाश सिंह पिता हरिशंकर सिंह (24) गांव तीरथपुर, विंडरा बामौट, बनारस, यूपी का रहने वाला है। आकाश यहां तिरुपति नगर, नीलबड़ में किराए के मकान में रहता है। उसकी लक्ष्मी कांप्लेक्स में दुकान है। आकाश ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सुजीत उर्फ उर्फ कल्लू मीणा से उसकी पुरानी रंजिश है। रंजिश के चलते सुजीत मीणा अपने साथियों के साथ उसकी दुकान पहुंचा और अड़ीबाजी करते हुए गालीगलौज करने लगा। उसे गाली देने से मना किया तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपी ने चाकू से हमला किया था। चाकू का वार हाथ से रोकने के कारण उसे हाथ में गंभीर चोट आई है।

मेट्रो एंकर मां बोली, बेटी शौच के लिए गई थी, तभी नाबालिग ने की अश्लील हरकत

छेड़छाड़ से दुखी किशोरी ने इल्लीमार पीकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में शुक्रवार सुबह चौदह साल की नाबालिग ने इल्लीमार पी लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान शनिवार देर रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि किशोरी से गांव में रहने वाले एक नाबालिग ने छेड़छाड़ की थी। इससे दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस ने नाबालिग पर आत्महत्या के लिए उकसाने का

मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार इलाके के एक कस्बे में रहने वाली 14 साल की किशोरी नवीं कक्षा की छात्रा है। उसके पिता खेती किसानी करते हैं। शुक्रवार सुबह किशोरी शौच के लिए घर से बाहर गई थी। वहां से लौटी और रोने लगी। कुछ देर बाद उसने उसने इल्लीमार पी लिया। इल्लीमार के पास ही खांसी की दवाई भी रखी हुई थी। इल्लीमार पीते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टियां करने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

मां ने बताई बेटी के साथ हुई आपबीती

रविवार सुबह हमीदिया अस्पताल में किशोरी का पीएम कराया गया। पुलिस ने गायत्री के पिता के बयान दर्ज करने चाहे, लेकिन उन्होंने आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। उन्होंने कहा था कि पत्नी को बेटी ने आत्महत्या की वजह बताई है। पुलिस ने किशोरी का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया। रविवार रात पुलिस किशोरी के घर पहुंची और मां के बयान दर्ज किए। मां ने अपने बयान में बताया कि शुक्रवार सुबह वह लौटी थी तो उसने बताया कि गांव में रहने वाले नाबालिग ने उसके साथ अश्लील हरकत की थी। इसी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। मां के बयान के बाद पुलिस ने नाबालिग पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है।

महिला के पैर पर चढ़ा आटो का पहिया, केस दर्ज

भोपाल। भोपाल टाकीज के पास खड़ी एक महिला के पैर पर आटो चालक ने आटो का पहिया चढ़ा दिया और भाग निकला। इलाज कराने के बाद पीड़िता ने थाने जाकर अज्ञात आटो चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया। पुलिस के मुताबिक आमना बी (55) जनता क्वार्टर ऐशबाग में रहती हैं और दुकान चलाती हैं। बीती 8 दिसंबर को वह अपनी सहेली के साथ भोपाल टाकीज कपड़े खरीदने पहुंची थी। दोपहर करीब एक बजे वह भोपाल टाकीज के पास रोड के किनारे खड़ी हुई थी, तभी एक तेज रफ्तार आटो चालक अपने आटो को लापरवाही से चलाते हुए लाया और एक पहिया महिला के पैर के पंजे चढ़ा दिया। घटना के बाद चालक आटो लेकर वहां से भाग निकला। परिजनों ने आमना बी को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। इलाज के बाद उन्होंने थाने जाकर एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022